रोहतक
सोमवार 27 जुलाई 2026
आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष,
त्रयोदशी वर्ष : 30, अंक : 173
पृष्ठ 12 मूल्य 3.00

मौसम हरियाणा
अधि. 38.2°C
न्यून. 24.5°C

हरिभूमि

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

7 एशियन चैंपियन बनी टीम इंडिया महिला टीम को रजत

खबर संक्षेप

भारत ने जिम्बाब्वे को हरा 3-0 से जीती सीरीज

हरारे। भारत ने जिम्बाब्वे को तीसरे टी-20 में 35 रन से हराकर सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। हरारे में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे 7 विकेट पर 157 रन ही बना सकी। भारत की जीत के हीरो वैभव सूर्यवंशी रहे। उन्होंने 49 गेंदों पर 81 रन की पारी खेली। गेंदबाजी में मयंक यादव ने 3 विकेट लिए। यश ठाकुर को 2 विकेट मिले। भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा 2 रन बनाकर आउट हो गए।
(खेल पेज भी देखें)

इस्तीफे के बाद चंपत राय की मौन साधना

अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपत राय ने देवशयनी एकादशी से चातुर्मास साधना शुरू कर दी है।

वह अगले चार महीने तक अयोध्या में रहकर मौन व्रत, श्रीराम मंत्र का जप करेंगे। देवशयनी एकादशी से देवोत्थान एकादशी तक चलेगा। *एजेंसी*

दिल्ली में पुलिस एक्शन पर कोर्ट में सुनवाई आज

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की जबरन कार्रवाई के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई होगी। दो अलग अलग याचिकाओं पर सीजेआई की बेंच सुनवाई करेगी। 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान सीजेपी के प्रदर्शन में पुलिस ने बल प्रयोग किया था। शीर्ष कोर्ट तय करेगा कि आगे क्या कदम उठाए जाने चाहिएं। मार्च के दौरान 100 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े थे और लाठीचार्ज भी किया था। प्रदर्शनकारियों ने बैरिगेड्स तोड़कर संसद की ओर मार्च किया था।

नेपाल लेजा व ला सकेंगे 25000 तक के नोट

काठमांडू। नेपाल ने भारतीय और नेपाली नागरिकों को 9 नवंबर 2016 के बाद जारी 200 और 500 के भारतीय नोट, अधिकतम 25,000 तक नेपाल लाने और ले जाने की अनुमति दे दी है। नेपाल राष्ट्र बैंक ने नई अधिसूचना जारी कर नियमों को स्पष्ट किया है। केंद्रीय बैंक के अनुसार, 8 नवंबर 2016 से पहले जारी 500 और 1,000 के पुराने भारतीय नोटों पर प्रतिबंध पहले की तरह जारी रहेगा। वहीं, नेपाली नागरिक भारतीय मुद्रा केवल भारत से ही नेपाल ला सकेंगे और नेपाल से किसी तीसरे देश में नहीं ले जा सकेंगे।

संबंधित खबर पेज 4 पर

शिक्षा सुधार के लिए बनेगी हाई पावर्ड टास्क फोर्स

मोदी बोले-पेपर लीक रोकने को संसद में कठोर कानून लाएंगे, सरकार लगातार कदम उठा रही

हमें भविष्य के बारे में सोचना है, हमारी परीक्षा प्रणाली विश्वस्त और टेक्नोलॉजी युक्त हो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को कहा कि सरकार स्टूडेंट के भविष्य के लिए लगातार कदम उठा रही है। जिन लोगों ने स्टूडेंट के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। वे जेलों में सड़ रहे हैं। मोदी ने शाम 7 बजे के करीब इंस्टाग्राम पर एक एक वीडियो शेयर किया। मोदी ने कहा- फ्रेंड्स, हमने फास्ट ट्रैक कोर्ट बना दिए हैं। हम संसद में कठोर सजा के साथ प्रावधान ला रहे हैं। लेकिन हमें भविष्य के बारे में भी सोचना है। हमारी परीक्षा सिस्टम विश्वस्त हो, इसमें सबसे ज्यादा टेक्नोलॉजी का उपयोग हो। नंदन नीलेकणी जी के नेतृत्व में एक हाईपावर्ड टॉस्क फोर्स बनाने का निर्णय लिया है। जो एग्जॉनेशन रिफॉर्म की तरफ फोकस करेगा। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और कॉकरोच पार्टी के आंदोलन खत्म होने के बाद संसद में सोमवार को पेपर लीक की रोकथाम से जुड़ा बिल पेश किया जा सकता है। इस बिल का नाम 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह लोकसभा में बिल पेश करेंगे। इस बिल के जरिए 2024 में बने कानून में बदलाव किए जाएंगे। आरोपियों के खिलाफ कड़ी सजा और भारी जुर्माने का प्रावधान होगा। राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट बना सकेंगे। इन अदालतों में रोजाना सुनवाई होगी।

इंफोसिस को फाउंडर नंदन नीलेकणी के नेतृत्व में बनेगा टास्क फोर्स

संसद में आज पेश हो सकता है नीट से जुड़ा महत्वपूर्ण बिल

न्यूनतम सजा 5 से बढ़ाकर 10 साल करने का प्रावधान

दो माह में पूरी होगी जांच

पीएम नरेंद्र मोदी के आश्वासन के बाद सोमवार को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह लोकसभा में नया बिल पेश कर सकते हैं। इसमें सजा और जुर्माने के प्रावधानों को और सख्त किया गया है। बिल में दो नई धाराएं 12ए और 12बी जोड़ी गई हैं। इसके तहत केंद्र सरकार एक स्पेशल टास्क फोर्स का गठन कर सकेगी। केंद्रीय जांच एजेंसी या एसआईटी को केंद्र सरकार द्वारा मामला सौंपे जाने के 2 महीने के भीतर जांच पूरी करनी होगी। फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए रोजाना सुनवाई होगी। राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट नामित करेंगे। चार्जशीट दाखिल होने के 3 महीने के भीतर ट्रायल पूरा करना अनिवार्य होगा।

अपील के लिए भी सख्त नियम

नए बिल में अपील के लिए भी समय सीमा तय की गई है। स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की जा सकेगी। ऐसी अपील पर दो जजों की बेंच सुनवाई करेगी और इसे 3 महीने के भीतर निपटाने का प्रयास किया जाएगा। अपील फैसले के 30 दिनों के भीतर करनी होगी, जिसे विशेष परिस्थितियों में 90 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है। नए बिल में सजा और जुर्माना और कड़ा किया गया है। अधिकतम 10 साल की जेल और 10 करोड़ तक जुर्माने का प्रावधान है।

टास्क फोर्स में ये लोग शामिल

- **नंदन नीलेकणी**- टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट और इंफोसिस के सह-संस्थापक
- **डॉ. एस. सोमनाथ**- इसरो के पूर्व अध्यक्ष
- **तपन डेका**- इंटेलिजेंस ब्यूरो के पूर्व डायरेक्टर
- **वी. कामकोटी**- आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर
- **अनीता करवाल**- शिक्षा मंत्रालय की पूर्व सचिव
- **अमृत लाल मीणा**- लॉजिस्टिक्स एक्सपर्ट

प्रह्लाद जोशी ने संभाला शिक्षा मंत्री का कार्यभार

- नवनियुक्त केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने रविवार को पदभार संभाल लिया। धर्मेंद्र प्रधान के शनिवार को पद से इस्तीफा देने के बाद जोशी को शिक्षा मंत्री नियुक्त किया गया था।
- जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वह वर्तमान में उपभोक्ता मामलों के मंत्री हैं।
- नीट के प्रश्नपत्र लीक होने के खिलाफ देशभर में सीजेपी के नेतृत्व में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किए। प्रदर्शनों के बीच, प्रधान ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया। प्रधान ने अपने त्यागपत्र में कहा कि यह उनके लिए "व्यक्तिगत प्रतिष्ठा" का विषय नहीं है और पिछले 10 दिनों के दौरान हुई घटनाओं से वह व्यथित हैं।

विद्यार्थी किसी भी पद से अधिक महत्वपूर्ण : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा भाजपा के कार्यकर्ताओं के लिए पद से कहीं अधिक महत्वपूर्ण देश, युवा एवं विद्यार्थी हैं और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इसी को दर्शाता है। शाह ने कहा, सरकार देश के युवाओं की भावनाओं का सम्मान करती है और प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं के खिलाफ सुधार लागू करने के लिए कटिबद्ध है।

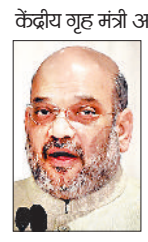

स्टूडेंट्स पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया : राहुल

राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को चिट्ठी लिखी है। इसमें राहुल ने दो सवाल पूछे हैं। पहला- प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया? अगर आपने नहीं तो फिर किसने दिया? दूसरा- सामान्य कपड़ों में आए जिन लोगों ने लाठीचार्ज किया, वे पुलिसकर्मी थे या वॉलंटियर्स? उनकी तैनाती किसने की।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत का तीसरा पदक

मीराबाई चानू ने दिलाया भारत को पहला गोल्ड

49 किलो भार वर्ग में कुल 190 किग्रा वजन उठाकर पाया पदक

ग्लासगो। मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिला दिया है। उन्होंने महिला 49 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग में 190 किलो (85 किलो स्नैच+ 105 किलो क्लीन एंड जर्क) उठाते हुए मेडल अपने नाम किया। भारत के अब 3 मेडल (1 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज) हो गए हैं। इससे पहले रविवार को ऋषिकांत सिंह ने मेंस 60 किलो वर्ग में सिल्वर और शुक्रवार को झंडू कुमार ने पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। भारत अब मेडल टैली सातवें स्थान पर पहुंच गया है।
(विस्तृत खेल पेज पर)

ऋषिकांत को सिल्वर मेडल

इससे पहले ऋषिकांत सिंह ने पुरुष 60 किलो वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। यह ऋषिकांत का दूसरा कॉमनवेल्थ गेम्स है। इससे पहले उन्होंने बर्मिंघम 2022 में 55 किलो वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। ग्लासगो में वह पहली बार 60 किलो वर्ग में उतरे। तब उन्हें मेडल नहीं मिला था। वे मौजूदा कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के चैंपियन भी हैं।

भिवानी की बॉक्सर प्रीति क्वार्टर फाइनल में

एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता भारतीय मुक्केबाज प्रीति पंवार ने रविवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं के 54 किलोग्राम वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में मलावी की डेबोरा मतेनजे को आरएससी से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भिवानी की 22 वर्षीय प्रीति ने मुकाबले के दौरान अपनी प्रतिद्वंद्वी पर पूरी तरह दबदबा बनाए रखा। उन्होंने दूसरे राउंड में आरएससी (रेफरी द्वारा मुकाबला रोकना) के फैसले से जीत दर्ज की।

होर्मुज में तेल टैंकर समुद्री माइन से टकराया, जहाज में लगी आग

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन डीसी/तेहरान

होर्मुज स्ट्रेट में रविवार को बड़ा हादसा हो गया। एक तेल टैंकर समुद्री माइन से टकरा गया, जिसके बाद उसमें आग लग गई। ईरानी न्यूज एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, यह टैंकर तेहरान की ओर से तय किए गए समुद्री मार्ग से अलग रास्ते से जा रहा था, जिसके बाद वह बारूदी सुरंग से टकरा गया। ईरान पहले भी कई बार चेतावनी दे चुका है कि अगर कोई जहाज उसकी ओर से तय किए गए मार्ग से हटकर चलेगा, तो उसके परिणाम की जिम्मेदारी उसी की होगी। फिलहाल इस घटना पर ईरानी अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। नुकसान या हताहतों को लेकर भी अभी कोई पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिका और ईरान के बीच फरवरी से जंग शुरू होने के बाद यह पहली बार है कि इस तरह कोई जहाज समुद्री नेवल माइन से टकराया हो। होर्मुज स्ट्रेट में ईरान ने यह समुद्री माइन बिछाई थी, जिसे सीजफायर के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हटाने का आदेश दिया था।

सिद्धारमैया का ऐलान

2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और सीनियर कांग्रेस लीडर सिद्धारमैया ने कहा है कि वह 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। हालांकि, वह राजनीति में सक्रिय रहेंगे और जनता के मुद्दे उठाते रहेंगे। उन्होंने शनिवार को मंड्या जिले के के.आर. पेट में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा- राजनीति अब पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी है और ईमानदार राजनीति के लिए जगह नहीं बची है। सिद्धारमैया ने कहा- मैं अब 79 साल का हो चुका हूं। हमारी सरकार का कार्यकाल अभी करीब डेढ़ साल बाकी है। तब तक मेरी उम्र 81-82 साल हो जाएगी। मेरी सेहत पहले जैसी मजबूत नहीं रही।

बोले- राजनीति भ्रष्ट हो गई दो महीने पहले छोड़ा था मुख्यमंत्री पद

देश में पहली बार हाईकोर्ट की 7 बेंचों में नहीं होंगे पुरुष जज

नई दिल्ली। देश की न्यायपालिका में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को लेकर अक्सर चर्चा होती रही है, लेकिन अब कर्नाटक हाईकोर्ट की धारवाड़ पीठ से एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसे भारतीय न्यायिक इतिहास का एक अहम पड़ाव माना जा रहा है। पहली अगस्त से धारवाड़ बेंच के सभी सात कोर्ट रूम में सिर्फ महिला जज ही न्यायिक कार्यवाही करेंगी। यानी एक भी पुरुष न्यायाधीश इस रोस्टर का हिस्सा नहीं होगा। हाईकोर्ट के इतिहास में ऐसा पहली बार होने जा रहा है, जब किसी हाईकोर्ट की पूरी बेंच का कामकाज पूरी तरह महिला न्यायाधीशों के हाथ में होगा। यह फैसला केवल एक प्रशासनिक बदलाव नहीं है, बल्कि यह न्यायपालिका में महिलाओं की बढ़ती भूमिका, उनकी क्षमता और नेतृत्व पर बढ़ते भरोसे का भी प्रतीक माना जा रहा है। इस ऐतिहासिक रोस्टर को लेकर न्यायिक जगत, वकीलों और महिला संगठनों में उत्साह का माहौल है।

कर्नाटक की धारवाड़ पीठ में ऐतिहासिक रोस्टर जारी

उमस बढ़ने से लोगों का बुरा हाल, 29 से भारी बरसात

प्रदेश में सुस्त पड़ा मानसून, कल से बदलेगा मौसम

हरिभूमि टीम ▶▶ हरियाणा

हरियाणा में मानसून एक बार फिर सुस्त पड़ गया है। राज्य में 27 जुलाई की रात तक मानसून कमजोर बना रहेगा। उमस बढ़ गई है। मौसम विभाग ने पंचकूला, अंबाला और यमुनानगर के कुछ इलाकों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। हालांकि, 28 और 29 जुलाई को मौसम में बड़ा बदलाव आएगा और पूरे प्रदेश में बहुत तेज बारिश होने की उम्मीद है। कई जिलों में झमाझम बारिश के साथ आकाशीय बिजली चमकने और तेज हवा भी चलेगी। मौसम विभाग ने इस दौरान लोगों को सुरक्षित रहने और जरूरी एहतियात बरतने की सलाह दी है।

आगे कैसा रहेगा मौसम

- 27 जुलाई को पूरे प्रदेश में बादलों की आवाजाही बढ़ेगी। पंचकूला, अंबाला और यमुनानगर में यलो अलर्ट जारी किया गया है। इसी रात से मौसम का मिजाज बदलेगा और 28 जुलाई से मानसून फिर रफ्तार पकड़ेगा।
- 28 जुलाई को हरियाणा के उत्तरी और दक्षिण-पूर्वी जिलों में अधिकांश स्थानों पर बारिश होगी, जबकि कई जगह भारी बारिश होने की संभावना है।
- 29 जुलाई को मानसून और अधिक सक्रिय रहेगा। पूरे प्रदेश के 75 से 100 प्रतिशत हिस्सों में व्यापक बारिश होने के आसार हैं।

75 से 100 प्रतिशत हिस्सों में बारिश होने का अनुमान गर्मी से मिलेगी राहत

गुजरात, महाराष्ट्र-ओडिशा में बारिश का रेड अलर्ट

नई दिल्ली। मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी से बने लो प्रेशर और वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से गुजरात, बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश हो रही है। लेकिन यह बारिश अब भी सामान्य से 16.1% कम है। उत्तर भारत में 31 जुलाई तक बारिश का दौर जारी रहेगा। हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में तेज बारिश की संभावना है। हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब समेत कई राज्यों में भारी बारिश होगी। इधर, असम में बाढ़ के हालात अब भी गंभीर हैं। अब तक 66 की मौत हो चुकी है। 7 लाख से ज्यादा लोग अब भी बाढ़ से प्रभावित हैं। हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश, भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से 134 सड़कें बंद हैं। 4 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

यमुनानगर से नशे के खिलाफ हुंकार मुख्यमंत्री के साथ दौड़े 70 हजार लोग

सीएम ने नशामुक्ति दौड़ को दिखाई हरी झंडी, 10 किमी. रेस में पुरुष वर्ग में मोहित व महिलाओं में भारती प्रथम

मातृशक्ति भी नहीं रही पीछे, हजारों महिलाओं ने दर्ज कराई दमदार उपस्थिति

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसके युवा होते हैं। यदि युवा स्वस्थ, अनुशासित और नशामुक्त होंगे तो विकसित भारत का सपना साकार होगा। मुख्यमंत्री रविवार को यमुनानगर में 'नशे से जंग, यमुनानगर के संग' अभियान के तहत आयोजित मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रतिभागियों को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई। दौड़ में महिलाओं, बुजुर्गों सहित 70 हजार युवाओं ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दौड़ केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि नशे जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ जनजागरण का अभियान है।

उन्होंने कहा कि युवाओं के सामने दो रास्ते हैं- एक विकास, स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाता है, जबकि दूसरा नशे और बर्बादी की ओर। उन्हें विश्वास है कि हरियाणा का युवा सही रास्ता चुनेगा और समाज को नशामुक्त बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया अभियान और योग को वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयासों ने स्वस्थ जीवनशैली को नई दिशा दी है। आज की यह दौड़ उसी संकल्प को आगे बढ़ाने का माध्यम है। इस अवसर पर कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा, विधायक घनश्याम दास अरोड़ा सहित प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

हौसला जवान : 73 साल की उम्र में त्रिलोकी नाथ ने पूरी की 10 किमी दौड़, मिला विशेष सम्मान

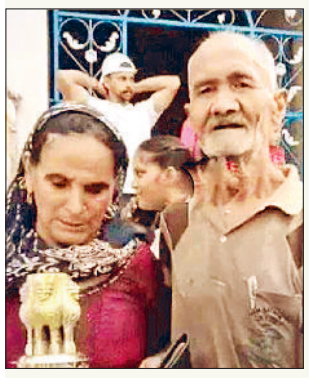

10 किलोमीटर पुरुष वर्ग में महेंद्रगढ़ के मोहित ने पहला स्थान हासिल कर एक लाख रुपये का पुरस्कार जीता। सत्यम दूसरे स्थान पर रहे और उन्हें 75 हजार रुपये, जबकि उत्तर प्रदेश के सचिन यादव तीसरे स्थान पर रहे और उन्हें 51 हजार रुपये प्रदान किए गए। महिला वर्ग में सोनीपत की भारती ने पहला स्थान हासिल कर एक लाख रुपये, भिवानी की सोनिका ने दूसरा स्थान प्राप्त कर 75 हजार रुपये तथा उत्तर प्रदेश के लखनऊ की शशिलता ने तीसरा स्थान प्राप्त कर 51 हजार रुपये का पुरस्कार जीता। पानीपत के 73 वर्षीय त्रिलोकी नाथ ने भी 10 किलोमीटर दौड़ पूरी कर विशेष सम्मान प्राप्त किया। उपायुक्त प्रीति ने बताया कि मैराथन में करीब 70 हजार लोगों ने भाग लिया, जो अपने आप में एक कीर्तिमान है।

पंजाब सरकार युवाओं के भविष्य से कर रही खिलवाड़ : नायब

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर युवाओं के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हाल ही में पंजाब में एक्साइज इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा के परिणाम में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। चयनित अभ्यर्थियों की सूची को लेकर कई सवाल उठे हैं। इसके अलावा कुछ दिन पहले आयोजित फार्मेसी परीक्षा का पेपर भी लीक हो गया, जिससे प्रतिभाशाली युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ है। मुख्यमंत्री रविवार को पंजाब के फगवाड़ा में आयोजित रक्तदान शिविर एवं एम्बुलेंस लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय सांपला, राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल, संत गुरचरण सिंह पांडवा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने सांपला फाउंडेशन और नव्या हेल्पिंग हैंड्स की सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संगठन समाज को नई दिशा देते हैं। उन्होंने दिवंगत नव्या की स्मृति में परिवार द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों को प्रेरणादायी बताया।

- फगवाड़ा में एक्साइज इंस्पेक्टर परीक्षा परिणाम और फार्मेसी पेपर लीक का मुद्दा उठाया

मंत्रिमंडल की बैठक कल, मानसून सत्र की तारीख पर लग सकती है मुहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंडीगढ़

बैठक में सत्र के एजेंडे, विधेयकों और अध्यादेशों पर होगी चर्चा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में 28 जुलाई को हरियाणा मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई गई है। बैठक में विधानसभा के आगामी मानसून सत्र की तारीख तय किए जाने पर मुहर लग सकती है। इसके साथ ही सत्र में पेश किए जाने वाले विधेयकों, अध्यादेशों और अन्य महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में हाल में युवाओं से जुड़े आंदोलन और उससे जुड़े घटनाक्रम पर भी विचार-विमर्श हो सकता है। पंजाब विधानसभा का मानसून सत्र तीन अगस्त से प्रस्तावित होने के बीच हरियाणा सरकार भी अपने सत्र की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी है। हरियाणा विधानसभा का मानसून सत्र सामान्यतः दो से तीन दिन का होता है, लेकिन लंबित विधायी कार्यों को देखते हुए इस बार इसकी अवधि बढ़ाई जा सकती है। कैबिनेट बैठक के बाद सत्र की संभावित तारीख स्पष्ट होगी। इसके बाद बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) की बैठक में अंतिम कार्यक्रम तय किया जाएगा। सरकार प्रशासनिक सुधार, रोजगार व्यवस्था और स्थानीय निकायों से जुड़े विधेयकों को प्राथमिकता दे सकती है। वहीं कांग्रेस और इनेलो कानून-व्यवस्था, भर्ती प्रक्रिया, युवाओं के मुद्दे, जलभराव, किसानों की समस्याएं तथा खाद-बीज की उपलब्धता जैसे विषयों पर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं।

इन महत्वपूर्ण विधेयकों पर हो सकती है चर्चा

- हरियाणा क्लेरिकल सर्विसेज (भर्ती एवं सेवा शर्तें) विधेयक : ग्रुप-डी कर्मचारियों के पदोन्नति कोटे में बदलाव और क्लर्क पद पर पदोन्नति का रास्ता आसान करने का प्रस्ताव
- इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) प्रोत्साहन एवं पर्यावरण नीति विधेयक : ईवी नीति और प्रदूषण नियंत्रण संबंधी प्रावधानों को कानूनी आधार देने की तैयारी
- भू-राजस्व एवं भूमि अधिग्रहण संशोधन विधेयक : भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए संशोधन
- स्थानीय शासन एवं प्रशासनिक जवाबदेही संशोधन विधेयक : नगर निकायों और पंचायतों के वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकारों से जुड़े प्रावधान
- राइट टू बिजनेस विधेयक-2026 : एमएसएमई और नए उद्योगों के लिए कारोबार शुरू करने की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रस्ताव शामिल है।

नए ग्रुप-डी कर्मचारियों का इंडक्शन कार्यक्रम 29 को

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने हाल ही में नियुक्त हुए ग्रुप-डी कर्मचारियों के लिए 29 जुलाई को पंचकूला के सेक्टर-3 स्थित ताऊ देवी लाल स्टेडियम में राज्य स्तरीय इंडक्शन प्रोग्राम आयोजित करने का फैसला किया है। कार्यक्रम सुबह 10 बजे शुरू होगा, जिसमें मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस संबंध में मानव संसाधन विभाग ने सभी विभागाध्यक्षों, मंडलायुक्तों और उपायुक्तों को निर्देश जारी किए हैं। विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, 16 अक्टूबर 2025 या उसके बाद नियुक्त सभी ग्रुप-डी कर्मचारियों को इस कार्यक्रम में शामिल किया जाएगा। कर्मचारियों के साथ उनके माता-पिता या जीवनसाथी को भी कार्यक्रम में आने की अनुमति दी गई है। मानव संसाधन विभाग करेगा समन्वय पत्र में स्पष्ट किया गया है कि पूरे कार्यक्रम का समन्वय मानव संसाधन विभाग करेगा। सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पूर्ण सहयोग करें और जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें। यह कार्यक्रम नए ग्रुप-डी कर्मचारियों को सरकारी सेवा की कार्य संस्कृति, जिम्मेदारियों और प्रशासनिक व्यवस्था से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इस मौके पर वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

पंचकूला में 3 हजार कर्मचारी जुटेंगे, मुख्यमंत्री नायब सैनी होंगे मुख्य अतिथि

खबर संक्षेप

अंतिम व्यक्ति के उत्थान का संकल्प है अंत्योदय

चंडीगढ़\पानीपत। पानीपत जिले के चुलकाना और बराना गांव में आयोजित सिलाई प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन समारोह में भारत सरकार के ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचकर केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि अंत्योदय का वास्तविक अर्थ समाज के अंतिम व्यक्ति का भी उदय और उत्थान सुनिश्चित करना है। जब तक सबसे पिछड़े और जरूरतमंद व्यक्ति तक विकास का लाभ नहीं पहुंचता, तब तक विकास की अवधारणा अधूरी रहती है।

पेपर लीक पर बनेगा सख्त कानून : नायब

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि केंद्र सरकार सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक और नकल जैसे अपराधों पर और अधिक कठोर कानूनी व्यवस्था लाने जा रही है। उन्होंने कहा कि यह करोड़ों युवाओं की मेहनत, उनके सपनों और उनके भविष्य की रक्षा की दिशा में एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भविष्य की आवश्यकताओं और देश के युवाओं के हितों को ध्यान में रखकर निर्णय लेते हैं। युवाओं के हितों की रक्षा करना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

युवा पीढ़ी को संत कबीर की शिक्षाओं से जोड़ना जरूरी : राज्यपाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंडीगढ़

राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि संत कबीर की शिक्षाएं आज भी समाज को सही दिशा दिखाने का काम कर रही हैं। युवा पीढ़ी को उनके विचारों और आदर्शों से जोड़ने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा संत कबीर जयंती का आयोजन राज्य स्तर पर किया जा रहा है, ताकि लोग उनकी शिक्षाओं को समझें और जीवन में अपनाएं। राज्यपाल चंडीगढ़ में सद्गुरु कबीर महासभा की ओर से आयोजित संत कबीर प्रकाश उत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संत कबीर का संदेश उनके जीवनकाल जितना ही आज भी प्रासंगिक है और आने वाले समय में भी मानवता का मार्गदर्शन करता रहेगा। प्रो. घोष ने लोगों से संत कबीर की शिक्षाओं को जीवन में उतारने का आह्वान किया। उन्होंने सत्य के मार्ग पर चलने, मानव सेवा को जीवन का उद्देश्य बनाने, शिक्षा एवं नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने, पर्यावरण संरक्षण, महिला सम्मान, नशामुक्त समाज और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने का संकल्प लेने की अपील की। इस अवसर पर हरियाणा की प्रथम महिला मित्रा घोष, चंडीगढ़ के महापौर सौरभ जोशी, संजय टंडन, पूर्व मंत्री अनूप धानक सहित अन्य मौजूद रहे।

- सत्य, मानव सेवा और राष्ट्र निर्माण का संकल्प लेने का किया आह्वान

विश्व चैंपियनशिप में चुनौती पेश करेंगी सोनीपत की पहलवान काजल

■ ट्रायल में इतिशा को हराकर स्लोवाकिया का टिकट किया पक्का

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

गांव लाठ की अंतरराष्ट्रीय महिला पहलवान काजल ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह बना ली है। नई दिल्ली में आयोजित चयन ट्रायल में काजल ने दमदार प्रदर्शन करते हुए पहलवान इतिशा को हराकर स्लोवाकिया में होने वाली विश्व चैंपियनशिप का टिकट पक्का किया। काजल अब 16 से 23 अगस्त तक स्लोवाकिया के ब्रातिस्लावा में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगी। उनकी इस उपलब्धि से कुलदीप मलिक अकादमी में खुशी का माहौल है। काजल ने हाल ही में हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित चौथी सीनियर रैंकिंग सीरीज के 76 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था। इससे पहले वह एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल कर चुकी हैं और भारत केसरी दंगल का खिताब भी अपने नाम कर चुकी हैं। अंडर-20 और अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप में भी वह स्वर्ण पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ा चुकी हैं।

- अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में 16 से 23 अगस्त तक करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

पिता टैक्सी चालक

साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली काजल के पिता टैक्सी चालक हैं। उनके चाचा और गुरु कृष्ण पहलवान ने बचपन से ही उन्हें कुश्ती के गुर सिखाए। बड़वासनी स्थित कुलदीप मलिक अकादमी में अभ्यास करने वाली काजल ने कड़ी मेहनत से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है।

बाघोत में 33 केवी का बिजली घर बनकर तैयार : आरती राव

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की पहल से जिला महेंद्रगढ़ के उपमंडल कनीना स्थित गांव बाघोत में लगभग 7 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 33 केवी विद्युत बिजलीघर बनकर तैयार हो गया है। बिजली घर में बिजली आपूर्ति शुरू कर दी गई है तथा मशीनों की स्थापना के साथ अंतिम तकनीकी परीक्षण किए जा रहे हैं। बिजली निगम के अधिकारियों के अनुसार अगस्त माह से यहां से नियमित विद्युत आपूर्ति प्रारंभ कर दी जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पूर्व बाघोत क्षेत्र के ग्रामीणों ने उन्हें बिजली संबंधी समस्याओं से अवगत कराया था। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया था कि सरकार बनने पर इस समस्या का स्थायी समाधान कराया जाएगा। इससे ग्रामीणों को राहत मिलेगी।

बिजली वितरण में निजीकरण के विरोध में 11 से हड़ताल का ऐलान

चंडीगढ़। केंद्रीय विद्युत मंत्रालय की ओर से प्रस्तावित पैरेलल डिस्ट्रीब्यूशन लाइसेंसिंग फ्रेमवर्क के विरोध में बिजली कर्मचारी और इंजीनियर 11 से 13 अगस्त तक तीन दिवसीय राज्यव्यापी हड़ताल करेंगे। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन और इलेक्ट्रिसिटी एम्पलाइज फेडरेशन ऑफ इंडिया (ईईएफआई) ने इस प्रस्ताव को बिजली वितरण क्षेत्र के निजीकरण की दिशा में उठाया गया कदम बताया है। ईईएफआई और ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार इसे उपभोक्ताओं को विकल्प और प्रतिस्पर्धा उपलब्ध कराने वाला सुधार बता रही है, लेकिन इससे सरकारी बिजली वितरण कंपनियों के लाभकारी उपभोक्ता निजी कंपनियों के पास जा सकते हैं। इससे सरकारी डिस्कॉम की आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी और ग्रामीण व सामाजिक दायित्वों पर भी असर पड़ सकता है। फेडरेशन के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे, ईईएफआई के महासचिव सुदीप दत्ता और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष लांबा ने कहा कि कर्मचारियों और सरकारी वितरण कंपनियों के हित सुरक्षित रहने का दावा वास्तविक स्थिति से अलग है। उन्होंने कहा कि यदि लाभ वाले उपभोक्ता निजी कंपनियों के पास चले गए तो सरकारी कंपनियों पर आर्थिक दबाव बढ़ेगा, जिसका असर कर्मचारियों और उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। ईईएफआई ने हरियाणा के गुरुग्राम और नूंह में निजी कंपनियों को समानांतर वितरण लाइसेंस देने के प्रयासों का विरोध किया है। संगठन का कहना है कि यह उसी नीति का हिस्सा है, जिसमें निजीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

- नूंह और गुरुग्राम में समानांतर वितरण लाइसेंस देने के प्रयासों का विरोध

ठेके के कारिंदे पर हमला कर नकदी लूटी

सोनीपत। मुरथल क्षेत्र स्थित एक शराब ठेके पर रविवार को दिनदहाड़े लूट की वारदात सामने आई। शराब खरीदने के बहाने ठेके में घुसे एक युवक ने सेल्समैन पर बोतल से हमला कर उसे घायल कर दिया और गल्ले से करीब 15 हजार रुपये निकालकर फरार हो गया। वारदात के बाद आरोपित मौके पर अपनी बाइक छोड़कर भाग निकला, जो जांच में चोरी की निकली। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी निवासी अवधेश ने मुरथल थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह ठेकेदार जयंत के शराब ठेके पर सेल्समैन के रूप में कार्यरत है। रविवार को एक युवक ग्राहक बनकर आया और शराब मांगी। जैसे ही वह बोतल निकालने लगे, युवक काउंटर के भीतर घुस गया और उनके सिर पर शराब की बोतल से हमला कर दिया। इसके बाद वह गल्ले में रखी नकदी लेकर फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

स्पा सेंटर में पुलिस की रेड, 7 महिलाएं और युवक गिरफ्तार

छह घंटे तक चला अभियान, दो बच्चे भी मिले

फरीदाबाद। एनआईटी-5 स्थित रेलवे रोड पर संचालित नमस्ते फैमिली स्पा में शनिवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 6 घंटे तक छापेमारी की। पुलिस को काफी समय से सूचना मिल रही थी कि स्पा सेंटर की आड़ में देह व्यापार कराया जा रहा है और यहां नशा बेचे जाने की गतिविधियां भी संचालित होती हैं। इसी सूचना के आधार पर दोपहर करीब 1 बजे एनआईटी थाना पुलिस और महिला थाना एनआईटी की टीम ने संयुक्त रूप से स्पा सेंटर पर छापा मारा। पुलिस ने स्पा सेंटर पहुंचते ही पूरे परिसर को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। इसके बाद स्पा सेंटर के सभी कमरों की तलाशी ली गई और वहां मौजूद लोगों से पूछताछ की गई। करीब 6 घंटे तक चली इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने स्पा सेंटर में मौजूद सभी महिलाओं को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने वहां काम करने वाले एक युवक को भी हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जांच के दौरान पुलिस ने स्पा सेंटर से कुल 7 महिलाओं को हिरासत में लियाए जिनमें 5 युवतियां और 2 महिलाएं शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इनमें से एक महिला अपने साथ 8 से 9 साल की बच्ची को भी लेकर आई थी। पुलिस बच्ची की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उससे जुड़े सभी तथ्यों की भी जांच कर रही है। छापेमारी के दौरान पुलिस को स्पा सेंटर से कई आपत्तिजनक सामान भी मिले हैं, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। इसके अलावा स्पा सेंटर के रजिस्टर, दस्तावेज और अन्य रिकॉर्ड भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिए हैं। अब इन रिकॉर्ड के आधार पर यह पता लगाया जा रहा है कि स्पा सेंटर का संचालन कब से हो रहा था।

सेल्फी लेते हुए यमुना में गिरे युवक का शव मिला

फरीदाबाद। तिगांव थाना क्षेत्र के मंझावली पुल से सेल्फी लेना एक युवक को भारी पड़ गया। पुल की बाउंड्री पर खड़े होकर सेल्फी लेने के दौरान उसका पैर फिसल गया और वह यमुना नदी में जा गिरा। घटना के बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने लगातार दो दिन तक उसकी तलाश की। आखिरकार आज तीसरे दिन युवक का शव चांदपुर गांव के पास यमुना नदी किनारे झाड़ियों में फंसा हुआ मिला। पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल की मॉर्च्युरी भिजवा दिया है। तिगांव थाना प्रभारी रनबीर ने बताया कि मृतक की पहचान टीटू उर्फ चिंटू 21 वर्ष निवासी सिहावली उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि 24 जुलाई की सुबह टीटू अपने दोस्त धर्मेन्द्र के साथ मंझावली पुल पर रेस लगाने के लिए गया था। इसी दौरान धर्मेन्द्र के कहने पर टीटू पुल की बाउंड्री पर चढ़कर यमुना नदी के साथ सेल्फी लेने लगा। सेल्फी लेते समय अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और पैर फिसलने के कारण वह सीधे यमुना नदी में गिर गया। घटना को देखकर उसके दोस्त और अन्य लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही तिगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। अब पुलिस ने युवक का शव बरामद कर लिया है।

विज्ञा. सं. आईएसआरओ : आईसीआरबी : 01 (ए-जेपीए) : 2026 दिनांक 27.07.2026

अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन [आईएसआरओ]
आईएसआरओ केन्द्रीयकृत भर्ती बोर्ड [आईसीआरबी]

असिस्टेंट्स, जूनियर पर्सनल असिस्टेंट्स, अपर डिवीजन क्लर्क और स्टेनोग्राफर्स की भर्ती

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन/अंतरिक्ष केन्द्र विभाग/इकाइयां और लॉंच व्हीकल्स और कम्यूनिकेशन/रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट्स का डिजाइन और बनाने तथा उसके पश्चात उनको लॉंच करने के लिए क्षमता का विकास करने और आत्म-निर्भरता हासिल करके राष्ट्र की सेवा करने के लिए और समाज के बड़े हित के लिए स्पेस एप्लीकेशन, अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास में अनुसंधान और विकास गतिविधियों में लगे हुए हैं।

2. संघटक इसरो केन्द्रों / इकाईयों में और स्वायत्त निकायों में नीचे वर्णित अनुसार पे-मैट्रिक्स के लेवल 4 में निम्नलिखित रिक्तियों के लिए योग्य उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं :

जोन	पोस्ट नं. 1	पोस्ट नं. 2	पोस्ट नं. 3	पोस्ट नं. 4	पोस्ट नं. 5	पोस्ट नं. 6
अहमदाबाद	27	21	–	–	11	01
बेंगलुरु	24	19	22	10	–	–
हस्सन	01	02				
हैदराबाद	13	02	–	–	–	–
महेंद्रगिरि	07	02	–	–	–	–
नई दिल्ली	01	–	–	–	–	–
श्रीहरिकोटा	32	14	–	–	03	–
तिरुवनंतपुरम	06	21	–	–	03	–
कुल	111	81	22	10	17	01

2. विस्तृत चयन प्रक्रिया के लिए और आवेदन करने के लिए, कृपया इसरो वेबसाइट www.isro.gov.in पर पधारें। ऑनलाइन आवेदन प्राप्ति हेतु अंतिम तिथि 16.08.2026 है।

सीबीसी-49101/11/0004/2627

पंचकूला में स्नेह भाईचारा मिलन में पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने समाज को एकजुट रहने का संदेश दिया, बोले

नए सपनों और जेन जी की उम्मीदों के साथ चलना होगा

- सर्व समाज की एकजुटता के लिए अभियान, पंचकूला में पहुंची सद्भाव यात्रा
- पूर्व डीजीपी महेंद्र सिंह मलिक जाट संस्थाओं के संरक्षक ने की कार्यक्रम की अध्यक्षता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ पंचकूला

हरियाणा के पूर्व वित्त मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता कैप्टन अभिमन्यु ने रविवार को पंचकूला में आयोजित स्नेह भाईचारा मिलन कार्यक्रम में प्रदेश की सभी बिरादरियों को एक मंच पर लाकर सामाजिक भाईचारे को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने समाज में जाति-पाति का जहर घोलने वालों पर निशाना साधते हुए कहा कि कमजोर व्यक्ति ही जाति-पाति का सहारा लेते हैं। उन्होंने कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर हमेशा सम्मान के पात्र रहेंगे। उन्होंने युवाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें जेन-जी की भावनाओं और सपनों को समझते हुए उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलना होगा। कैप्टन अभिमन्यु ने अपने स्वर्गीय पिता को याद करते हुए बताया कि उन्होंने शहीद परिवारों की सहायता के लिए व्यक्तिगत स्तर पर सहयोग का निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि देश के लिए प्राण न्योछावर करने वाले सैनिक किसी के भाई, बेटे, पति और बच्चों के पिता थे। कारगिल युद्ध में 27 वर्ष पहले उनके बलिदान को देश कभी नहीं भूल सकता। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा के पूर्व डीजीपी एवं जाट समाज के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह मलिक ने की, जबकि मंच संचालन भाग सिंह दमदमा ने किया। कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि यह प्रदेश में आयोजित उनकी 11वीं स्नेह भाईचारा बैठक है। उन्होंने कहा कि उनका परिवार वैदिक धर्म के सिद्धांतों पर चलने वाला रहा है। राजनीति में आने के बाद उन्हें सियासत की कड़वी सच्चाइयों को करीब से देखने का अवसर मिला, जिसके बाद उन्होंने महसूस किया कि नेतृत्व का अधिकार तभी सार्थक है, जब समाज में भाईचारा और सामाजिक समरसता बनी रहे।उन्होंने कहा कि यदि वोट मांगने, निर्णय लेने या किसी भी प्रकार का कार्य जाति के आधार पर किया जाता है, तो यह समाज के लिए घातक है। समाज की सज्जन और सात्विक शक्तियों को जागरूक होकर आगे आना होगा, तभी विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त की जा सकेगी। हर व्यक्ति को अपने परिवार और समाज पर गर्व होना चाहिए। महर्षि वाल्मीकि जैसे महापुरुषों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि गर्व व्यक्ति की पहचान को बड़ा करता है, जबकि अहंकार दूसरों को छोटा करने का काम करता है।

पंचकूला। स्नेह भाईचारा मिलन कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

पंचकूला। कैप्टन अभिमन्यु को किसानों के मसीहा सर छोटूराम का चित्र भेंट करते हुए।

अतीत से सीख, नई पीढ़ी के साथ चलना होगा

कैप्टन अभिमन्युपूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि केवल अतीत की बातें करने से काम नहीं चलेगा। बदलते दौर में एआई और नई तकनीकों के बीच जेन-जी की सोच और भावनाओं को समझते हुए उनके साथ चलना होगा। उन्होंने चौधरी देवीलाल का उदाहरण देते हुए कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए सभी वर्गों को साथ लेकर चलना जरूरी है। साथ ही उन्होंने आत्मनिरीक्षण की जरूरत बताते हुए कहा कि समाज का भरोसा बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

राजनीतिक षड्यंत्रों से बढ़ी सामाजिक दूरी

कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि हरियाणा की पहचान हमेशा सामाजिक एकता और भाईचारे की रही है, लेकिन राजनीतिक स्वार्थ और परिवारवाद के कारण समाजों के बीच अविश्वास बढ़ा। उन्होंने कहा कि सर्व समाज भाईचारा अभियान का उद्देश्य सभी बिरादरियों को एक मंच पर लाकर आपसी विश्वास और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करना है।

अश्लीलता पर खाप का कदम सराहनीय

कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि अश्लील गीतों, डांस और सोशल मीडिया पर फैल रही अश्लीलता के खिलाफ खाप पंचायतों की पहल सराहनीय है।

मीडिया के सवालों पर बोले पूर्व वित्त मंत्री

देश और समाज के लिए एकजुट होकर काम करें

चंडीगढ़। पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि भारत माता को विश्व के शिखर पर ले जाने के लिए संकल्प लेना होगा, सभी को एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि पंचकूला और दूर-दूर ग्रामीण इलाकों से आए लोगों का आभार व्यक्त करता हूं। कोई भी सियासी दल हो जब भी आपके अंदर कमजोरी का भाव आए, तो देश के शहीदों को जरूर याद कर लेना। जाति का सहारा वही लोग लेते हैं, जब वे कमजोर पड़ जाते हैं, इसलिए सभी बातों से ऊपर उठकर काम करना होगा। हर व्यक्ति, हर पीढ़ी को सामाजिक ताना बाना बचाने के लिए काम करना चाहिए। वर्तमान में हमारा दायित्व है, कि नई पीढ़ी को बेहतर से बेहतर संदेश देने का काम करें।

सोई पीढ़ी देश को पीछे ले जाएगी

जो पीढ़ी सचेत होकर सावधान होकर अपने ताने बाने को बचा लेंगे, जो पीढ़ी सोती रहेगी वो अतीत की तरह से देश को गर्त में ले जाने का काम करेंगे। अपनी योग्यता और क्षमता पर भरोसा करने वालों को जातियों का सहारा लेने की जरूरत है।

अब तक 11 जिलों में अभियान चला

वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि यह अभियान अभी तक लगभग 11 जिलों में चला गया है, लेकिन समाज के लिए वे यही काम करते रहेंगे। हमारे प्रयास इस दिशा में उठाए जा रहे कदमों का समाज को एकत्र करने का काम करेगा। मुझे विश्वास है कि जो भी सज्जन शक्तियां हैं, वे एकजुट होकर सहयोग करेंगी।

युवाओं की भावनाओं को समझना जरूरी

पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि समाज और व्यवस्था का नेतृत्व करने वालों को नई पीढ़ी की भावनाओं और अपेक्षाओं को समझना होगा। यदि युवा किसी मुद्दे पर उद्वेलित हैं तो उनसे संवाद कर समाधान निकालना चाहिए। उन्होंने पीएम मोदी का उदाहरण देते हुए कहा कि किसान आंदोलन और जेन-जी से जुड़े मुद्दों पर समय रहते निर्णय लेकर संवेदनशील नेतृत्व का परिचय दिया गया।

पानीपत के अस्पताल में डॉक्टरों की घोर लापरवाही

महिला के टूटे पैर का इलाज करने के बजाए दिल में डाल दिया स्टंट, ऑपरेशन के बाद मौत

- अस्पताल प्रबंधन ने एफआईआर मिलने के बाद पक्ष रखने की बात कही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत के गांव सिवाह के पास जीटी रोड स्थित पार्क हॉस्पिटल में उपचार के दौरान महिला गुड्डी (निवासी रमेश नगर, पानीपत, मूल निवासी काशीपुर, जिला कानपुर) की मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। मृतका के बेटे कुलदीप का आरोप है कि सड़क हादसे में पैर टूटने के बाद 24 जुलाई को उनकी मां को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन पैर के इलाज के बजाय चिकित्सकों ने उनके हृदय में स्टेंट डाल दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि ऑपरेशन से पहले परिवार की अनुमति नहीं ली गई और दस्तावेजों पर फर्जी हस्ताक्षर किए गए। शिकायत मिलने पर सेक्टर-29 थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी।

महिला गुड्डी

डॉक्टरों के खिलाफ केस दर्ज

घटना की सूचना मिलते ही थाना सेक्टर-29 पुलिस अस्पताल में मौके पर पहुंची। एसएचओ सुभाष ने बताया कि शिकायत के आधार पर पार्क अस्पताल के डॉक्टरों के खिलाफ बीएनएस की धारा 106, 318(4) व 351(2) के तहत केस दर्ज कर लिया गया। थाना प्रभारी सुभाष ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।वहीं, अस्पताल की सीईओ नेहा ने कहा कि एफआईआर की प्रति मिलने के बाद ही अस्पताल इस मामले में अपना पक्ष रखेगा।

घरेलू कलह में महिला ने 7 माह के बेटे संग नहर में लगाई छलांग

- महिला को सुरक्षित बाहर निकाला, बच्चे की तलाश की जा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ डबवाली

गांव माखा में घरेलू कलह के चलते रविवार को एक महिला द्वारा अपने 7 माह के बेटे के साथ भाखड़ा नहर में छलांग लगाने का मामला सामने आया है। महिला की पहचान खोखर निवासी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार महिला ने अपने 7 माह के बेटे के साथ भाखड़ा नहर में छलांग लगा दी। घटना के बाद गांववासियों ने तत्परता दिखाते हुए महिला को नहर से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, महिला का 7 माह का बच्चा नहर के तेज बहाव में बह गया, जिसके बाद उसकी तलाश जारी है। बताया जा रहा है कि महिला ने घरेलू कलह के चलते यह कदम उठाया। बच्चे की तलाश के लिए स्थानीय स्तर पर प्रयास जारी हैं।

नहर में नहाते समय 17 वर्षीय अमित डूबा, गोताखोर तलाश में जुटे

- चार बहनों का इकलौता भाई था अमित, दोस्तों ने बचाने का किया प्रयास लेकिन गहरे पानी में समाया

यमुनानगर। पश्चिमी यमुना नहर के फतेहगढ़ पुल के पास नहाते समय 17 वर्षीय अमित डूब गया। अमित अपने दो दोस्तों के साथ घूमने गया था। दोस्तों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव और गहरे पानी के कारण वह बाहर नहीं निकल सका।सूचना मिलने पर पुलिस और गोताखोर मौके पर पहुंचे और नहर में सर्च अभियान शुरू किया, लेकिन देर शाम तक अमित का पता नहीं चल पाया। अमित चार बहनों का इकलौता भाई था। घटना के बाद मां रेखा का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने बताया कि अमित उनसे 10 रुपये लेकर दोस्तों के साथ घूमने निकला था।

खूनी संघर्ष में बदल गया झगड़ा गोहाना में रोहतक के युवक की हत्या

- कथूरा का मामला, राजीनामे के लिए इकट्ठा हुए युवकों में दोबारा से कहासुनी हो गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

गांव कथूरा में राजीनामे के लिए इकट्ठा हुए युवकों में दोबारा कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर झगड़ा खूनी संघर्ष में बदल गया और एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पीजीआई रोहतक ले जाया गया। मृतक के दोस्त की शिकायत पर दो आरोपितों के विरुद्ध केस दर्ज किया गया। रोहतक के गांव बोहर अंकुश के अनुसार करीब एक सप्ताह पहले गांव मोखरा के पंकज उर्फ भोलू की उससे कहासुनी हो गई थी। पंकज ने उसे धमकी देते हुए कहा था कि उसे देख लेगा। इसी विवाद को निपटाने के लिए शनिवार रात दोस्त मोंटी, शुभम, प्रीतम और मोहित के साथ गांव कथूरा पहुंचे एक जगह बैठकर बातचीत करने लगे। मोंटी के गांव कथूरा में मामा हैं और इसी गांव की कबड्डी अकादमी में पंकज अभ्यास करता है। अंकुश अपने गांव के दोस्त मोंटी और गांव कथूरा का शुभम दादा फूल सिंह अकेडमी के बाहर राजीनामा करने के लिए चले गए। वहां पर मोहित व प्रीतम भी आ गए। इसी दौरान पंकज उर्फ भोलू भी पहुंचा और कहासुनी की रंजिश रखते हुए गाली-गलौच करते हुए थप्पड़ मुक्के मारने शुरु कर दिये। पंकज का दोस्त पलवल का शिवम उर्फ जस्सा भी बीच में आ गया। आरोप है कि मारपीट के दौरान पंकज ने जेब से चाकू निकालकर मोंटी पर वार कर दिया। इसके बाद अंकुश और प्रीतम पर भी चाकू से हमला किया। गंभीर रूप से घायल मोंटी को रोहतक के गांव चिड़ी स्थित अस्पताल ले जाया गया, जहां पर उसे मृत घोषित कर दिया। घायल अंकुश व प्रीतम को पीजीआई रोहतक ले जाया गया।

सरकारी बस की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

यमुनानगर। जगाधरी-व्यासपुर रोड पर गांव महमूदपुर के पास तेज रफ्तार सरकारी बस की चपेट में आने से बाइक सवार महिला विमला देवी की मौत हो गई। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी, जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हुई। पुलिस के अनुसार गांव अरनौली निवासी सुखविंदर सिंह अपनी बुआ विमला देवी के साथ बाइक पर घर लौट रहे थे। इसी दौरान महमूदपुर के पास तेज रफ्तार बस ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया और अज्ञात बस चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

निर्यात पर लगा ब्रेक, बंदरगाहों पर 25 दिनों से अटका माल

हॉर्मूज में फंसा हरियाणा का 1 लाख टन बासमती चावल, निर्यातकों को 1000 करोड़ का नुकसान

- बारिश के बीच बंदरगाहों पर रुके चावल के खराब होने का खतरा बढ़ा
- नए धान सीजन से पहले भुगतान अटकने से व्यापारियों में नकदी संकट की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य व कूटनीतिक तनाव का सीधा असर अब भारत के कृषि निर्यात, विशेषकर प्रीमियम बासमती चावल के अंतरराष्ट्रीय कारोबार पर साफ दिखाई देने लगा है। मिडिल ईस्ट (खाड़ी देश), जो कि भारतीय बासमती चावल का सबसे बड़ा और प्रमुख बाजार है, वहां जाने वाला समुद्री व्यापारिक मार्ग हॉर्मूज स्ट्रैट के प्रभावित होने से पूरी तरह ठप पड़ गया है। हालात यह हैं कि हजारों करोड़ रुपये का चावल देश के प्रमुख बंदरगाहों पर रुका हुआ है या समुद्र में जहाजों पर रास्ते में फंसा है। इससे निर्यातकों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। वहीं, आगामी धान कटाई व खरीद सीजन को लेकर भी चावल उद्योग और किसानों के बीच चिंता तेजी से बढ़ने लगी है।

स्थिति गंभीर, चावल सड़ने का खतरा

ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं बोर्ड ऑफ ट्रेड के गैर-सरकारी सदस्य सतीश गोयल ने स्थिति की गंभीरता पर जानकारी देते हुए बताया कि हॉर्मूज स्ट्रैट के बंद होने से अकेले हरियाणा के निर्यातकों का करीब 1 से 1.5 लाख टन बासमती चावल पिछले 25 दिनों से बंदरगाहों पर रुका हुआ है। उन्होंने बताया कि इस अटके हुए माल का बाजार मूल्य 1000 करोड़ से भी अधिक है। बारिश के इस मौसम में बंदरगाहों पर पड़े चावल के लंबे समय तक टिके रहने से माल के खराब और नमी से सड़ने की आशंका है।

माल पर 1%की दर से ब्याज लग रहा

अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रही तो बंदरगाहों पर पड़ा करोड़ों का माल खराब हो जाएगा। सेलर में तैयार हो रहे माल पर भी प्रति माह करीब 1 प्रतिशत की दर से ब्याज लग रहा है। यदि निर्यात में देरी हुई तो लागत और बढ़ेगी, जिससे व्यापारियों की आर्थिक स्थिति चरमरा सकती है।

-सतीश गोयल, अध्यक्ष (ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन)

रिकॉर्ड लक्ष्य पर खतरा व किसानों की चिंता: उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष भारत ने 65 लाख टन बासमती चावल का रिकॉर्ड निर्यात किया था। इस वर्ष निर्यात को बढ़ाकर 70 लाख टन तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया था। लेकिन मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीतिक हालात इस लक्ष्य के सामने बहुत बड़ी चुनौती बन गए हैं। व्यापारियों की सबसे बड़ी चिंता यह है कि अगले 2 से 3 महीनों में धान का नया सीजन शुरू होने वाला है।

नेपाल ने नोटबंदी के बाद भारतीय मुद्रा पर लगे अंकुश हटाए

एजेंसी ⏭ काठमांडू

- देश में नोट लाने और बाहर ले जाने की अधिकतम सीमा 25,000 रुपए

नेपाल ने भारतीय और नेपाली नागरिकों को नौ नवंबर, 2016 या उसके बाद जारी 200 और 500 रुपये के भारतीय नोट देश में लाने और बाहर ले जाने की अनुमति दे दी है, लेकिन इसकी अधिकतम सीमा 25,000 रुपये रखी गई।

भारत द्वारा 2016 में नोटबंदी किए जाने के बाद सिर्फ 100 रुपये के नोट को ही लाने ले-जाने की अनुमति थी। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) ने बृहस्पतिवार को जारी एक सूचना में कहा कि नौ नवंबर, 2016 से पहले जारी 500 रुपये और 1,000 रुपये के भारतीय नोट नेपाल में प्रतिबंधित रहेंगे।

नेपाल ने 200, 500 के नोट को भी दी अनुमति

अन्य देश से नेपाल में भारतीय मुद्रा नहीं ले जा सकते

नेपाल राष्ट्र बैंक ने इन प्रावधानों को 11 फरवरी को नेपाल राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना जारी कर पहले ही लागू कर दिया था। इसके बावजूद केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को नियमों को दोहराते हुए और उनके क्रियान्वयन को स्पष्ट करने के लिए नया नोटिस जारी किया। नए नियमों की व्याख्या करते हुए एनआरबी के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल ने शनिवार को कहा कि नेपाली नागरिक भारत के अलावा किसी अन्य देश से नेपाल में भारतीय मुद्रा नहीं ला सकते।

नोटबंदी के बाद नेपाल ने लगाया था प्रतिबंध : नोटबंदी के बाद नेपाल ने पुरानी भारतीय मुद्रा के उपयोग और लेनदेन पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए थे। इस कदम से दोनों देशों के बीच यात्रा और सीमा पार लेनदेन अधिक सुगम हो सकेगा।

सीमा शुल्क अधिकारियों के समक्ष करनी होगी घोषणा

यदि यह राशि 5,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक होती है, तो आगमन के समय सीमा शुल्क अधिकारियों के समक्ष उसकी घोषणा करना अनिवार्य होगा। भारत ने आठ नवंबर, 2016 को 500 और 1,000 रुपये के नोट को बंद कर दिया था। इसके बाद 500 रुपये और 2,000 रुपये के नए नोट जारी किए गए थे। बाद में 2,000 रुपये के नोट भी वापस ले लिए गए।

अधिसूचना के अनुसार, मौजूदा नियमों के तहत नेपाली और भारतीय नागरिक नौ नवंबर, 2016 के बाद जारी 200 और 500 रुपये के भारतीय नोट नेपाल ला सकते हैं या वहां से ले जा सकते हैं, लेकिन इसकी अधिकतम सीमा प्रति व्यक्ति 25,000 रुपये रहेगी।

व्यापार करने वाले नेपाली नागरिकों को होगी सुविधा

इसी प्रकार, वे भारत को छोड़कर किसी अन्य देश में नेपाल से भारतीय मुद्रा नहीं ले जा सकते। उन्होंने कहा कि नए प्रावधान से नेपाल आने वाले भारतीय पर्यटकों तथा भारत के साथ व्यापार करने वाले नेपाली नागरिकों को काफी सुविधा होगी। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि नेपाली नागरिक और विदेशी पर्यटक बिना सीमा शुल्क घोषणा के 5,000 अमेरिकी डॉलर या अन्य विदेशी मुद्राओं में उसके बराबर राशि तक नेपाल ला सकते हैं।

खबर संक्षेप

बैंक ऑफ इंडिया का लाभ बढ़कर 3,068 करोड़ रुपए

मुंबई। बैंक ऑफ इंडिया का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में एकल आधार पर शुद्ध लाभ 36.23 प्रतिशत बढ़कर 3,067.90 करोड़ रुपये रहा। बैंक के लाभ में वृद्धि मुख्य रूप से गैर-ब्याज आय में बढ़ोतरी के कारण हुई। 2025-26 की समान तिमाही में 2,252.12 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

एनटीपीसी का लाभ 13% बढ़कर 6897 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में लगभग 13 प्रतिशत बढ़कर 6,896.44 करोड़ रुपये रहा। कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 6,108.46 करोड़ रुपये था।

आयातित तेलों के भाव में गिरावट, सरसों में सुधार

नई दिल्ली। लागत से नीचे दाम पर की जाने वाली बिकवाली की वजह से बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में आयातित तेलों के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं आगामी त्योहारी मौसम की मांग की सुगबुगाहट के कारण सरसों एवं मूंगफली तेल तिलहन तथा बिनौला तेल के दाम में मामूली सुधार आया।

अंतरराष्ट्रीय गैस संघ की रिपोर्ट में यह बात कही गई

गैस की मांग बढ़ाने को सिर्फ एलएनजी आयात क्षमता बढ़ाना पर्याप्त नहीं : रिपोर्ट

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय गैस संघ (आईजीयू) की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने एलएनजी री-गैसीफिकेशन टर्मिनल की क्षमता तो बढ़ाई है, लेकिन गैस के परिवहन और वितरण से जुड़ा बुनियादी ढांचा उसी गति से विकसित नहीं हो पाया है। इससे देश की गैस खपत बढ़ाने की क्षमता पर सीधा असर पड़ा है।

भारत बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर

आईजीयू ने हालिया होर्मुज जलडमरूमध्य संकट का उल्लेख करते हुए कहा कि इस घटना ने भारत की गैस आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों को उजागर किया है। भारत अपनी प्राकृतिक गैस और एलपीजी की जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है।

एलपीजी की 60 से 65 फीसदी मांग आयात से पूरी

घरेलू उत्पादन कुल गैस मांग का लगभग 50-52 प्रतिशत ही पूरा कर पाता है, जबकि शेष आवश्यकता कतर, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और रूस से एलएनजी आयात से पूरी होती है।तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के मामले में भी देश अपनी 60-65 प्रतिशत जरूरत आयात के जरिये पूरी करता है। रिपोर्ट कहती है कि भारत का अधिकांश एलएनजी और एलपीजी आयात होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है।

भारत में प्राकृतिक गैस की दीर्घकालिक मांग बढ़ाने के लिए केवल तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आयात क्षमता बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं होगा। इसके साथ-साथ गैस पाइपलाइन और वितरण नेटवर्क का विस्तार, गैस आधारित उद्योगों में निवेश तथा बाजार, नियमन और मूल्य निर्धारण प्रणाली में व्यापक सुधार भी जरूरी होंगे।

गैस पाइपलाइन और वितरण नेटवर्क का विस्तार जरूरी

मूल्य निर्धारण प्रणाली में व्यापक सुधार भी जरूरी होंगे

परिवहन और वितरण का बुनियादी ढांचा उस गति से विकसित नहीं

गैस पाइपलाइन का तेजी से विस्तार करना होगा : आईजीयू ने सुझाव दिया है कि भारत को एलएनजी टर्मिनल तक अधिक खुली पहुंच, प्रणाली प्रवेश शुल्क में सुधार और बाजार के उदारीकरण जैसे कदम उठाने चाहिए, ताकि खरीदार कम कीमतों का लाभ उठा सकें और आयात टर्मिनल का बेहतर उपयोग हो सके।

खाड़ी युद्ध तनाव ने ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई

हालिया पश्चिम एशिया तनाव के दौरान इस मार्ग पर आई बाधाओं ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी। हालांकि, दीर्घकाल में स्थिति बेहतर होने की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस दशक के शेष वर्षों में वैश्विक स्तर पर नई एलएनजी निर्यात परियोजनाओं के शुरू होने से आपूर्ति बढ़ेगी, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलएनजी की कीमतों पर दबाव पड़ेगा और भारत के लिए गैस का उपयोग अधिक किफायती हो सकेगा।

थोक गैस सस्ती होने से खपत नहीं बढ़ेगी

प्रतिस्पर्धी परिवहन शुल्क और मजबूत पारेषण नेटवर्क से गैस की लागत कम होगी और नए उपभोक्ताओं को जोड़ना आसान होगा। आईजीयू का मानना है कि केवल थोक गैस सस्ते दाम पर उपलब्ध होने से खपत नहीं बढ़ेगी। इसके लिए बुनियादी ढांचे में निवेश, गैस मूल्य निर्धारण प्रणाली में सुधार, व्यावसायिक अनुबंधों को सरल बनाने और व्यापक बाजार सुधारों की भी आवश्यकता होगी।

आयात के स्रोत बढ़ाने होंगे

रिपोर्ट कहती है कि खाड़ी क्षेत्र के संकट ने एलएनजी आयात की विश्वसनीयता पर सवाल जरूर खड़े किए हैं, लेकिन विभिन्न देशों से आयात के स्रोत बढ़ाकर इन जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

भारतीय स्मार्टफोन ब्रांड बनाने में जुटी एआई प्लस

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- एआई प्लस को वैश्विक कंपनियों के मुकाबले खड़ा करने की योजना
- कंपनी को 7,500 करोड़ रु. के कारोबार का लक्ष्य

स्मार्टफोन उद्योग में दो दशक से अधिक का अनुभव रखने वाले नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजी के संस्थापक माधव सेठ भारतीय स्मार्टफोन ब्रांड 'एआई प्लस' को वैश्विक कंपनियों के मुकाबले खड़ा करने की योजना पर काम कर रहे हैं।

सेठ ने कहा कि चीन के स्मार्टफोन बाजार और आपूर्ति श्रृंखला से मिली सीख का इस्तेमाल वह भारत में एक मजबूत घरेलू ब्रांड बनाने में कर रहे हैं। सेठ ने बातचीत में कहा कि उनकी कंपनी ने सितंबर, 2025 में अपना पहला स्मार्टफोन बाजार में उतारा था। कंपनी ने अपने पहले ही वित्त वर्ष में 965 करोड़ रुपये का कारोबार किया। सेठ ने कहा कि चालू वित्त वर्ष कंपनी का पहला पूर्ण परिचालन वर्ष होगा और इस दौरान कारोबार कई गुना बढ़कर 7,500 करोड़ रुपये से अधिक पहुंचने की उम्मीद है। नेक्स्टक्वांटम शिफ्ट टेक्नोलॉजी पूरी तरह भारतीय कंपनी है। सेठ ने कहा कि रियलमी जैसे ब्रांड को चीनी बाजार में स्थापित करने के अनुभव और चीन की मजबूत आपूर्ति श्रृंखला से मिली सीख के आधार पर कंपनी भारत में अपना स्मार्टफोन ब्रांड खड़ा कर रही है।

किसी भी भारतीय स्मार्टफोन की वैश्विक पहचान नहीं

सेठ ने कहा कि भारत में स्मार्टफोन बाजार की संभावनाएं बहुत बड़ी हैं। देश में स्मार्टफोन की मांग तेजी से बढ़ रही है, लेकिन अभी तक कोई भी भारतीय स्मार्टफोन ब्रांड वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान नहीं बना पाया है।

देश में कलपुर्जों का तंत्र विकसित करने की जरूरत

सेठ ने कहा, ''भारत में कलपुर्जों का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए जरूरी है कि यहां से कोई मजबूत भारतीय ब्रांड खड़ा हो। मौजूदा समय में इस क्षेत्र पर विदेशी कंपनियों का दबदबा है, जिससे घरेलू स्तर पर पुर्जों के निर्माण का विकास मुश्किल रहा है।''

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

पूंजीकरण में एचडीएफसी बैंक को ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली। स्थानीय शेयर बाजार में कमजोरी के रुख के बीच बीते सप्ताह सेंसेक्स की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण में सामूहिक रूप से 2.74 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,091.68 अंक यानी 2.67 प्रतिशत टूट गया।

मारुति चालू वित्त वर्ष में नौ लाख सीएनजी वाहन बेचेगी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने चालू वित्त वर्ष में करीब नौ लाख सीएनजी वाहन बेचने का लक्ष्य रखा है। कंपनी का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बाद ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से सीएनजी वाहनों की मांग तेजी से बढ़ी है। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी ने विभिन्न मॉडल श्रेणियों में 2.2 लाख सीएनजी वाहन बेचे हैं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 58 प्रतिशत अधिक है।

टाटा टेक्नोलॉजीज को 'बड़ी छलांग' की उम्मीद

- सीईओ ने कहा, चालू वित्त वर्ष ब्रेकआउट ईयर होगा साबित
- कंपनिया नए उत्पादों के विकास में बढ़ा रही निवेश

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

वैश्विक उत्पाद इंजीनियरिंग और डिजिटल सेवा कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज को भरोसा है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 उसके लिए 'बड़ी छलांग' (ब्रेकआउट ईयर) वाला साल साबित होगा। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक वॉरेन हैरिस ने कहा कि दुनिया भर की वाहन विनिर्माता कंपनियां नए उत्पादों के विकास में निवेश बढ़ा रही हैं और अधिक से अधिक कार्य बाहरी कंपनियों को सौंप रही हैं, जिसका सीधा लाभ टाटा टेक्नोलॉजीज को मिल रहा है। हैरिस ने कहा कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कई पूर्ण वाहन कार्यक्रम परियोजनाएं हासिल की हैं। इनमें टेनेको के साथ 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुबंध भी शामिल है।

एबीडीएल को आमदनी में 15 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली। शराब बनाने वाली कंपनी अलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स लिमिटेड (एबीडीएल) को वित्त वर्ष 2026-27 में राजस्व और बिक्री मात्रा में 15 प्रतिशत (मिड-टीन) स्तर की वृद्धि की उम्मीद है। कंपनी को प्रीमियम उत्पादों पर बढ़ते ध्यान, निर्यात कारोबार के विस्तार और उत्पादन क्षमता बढ़ने से यह वृद्धि मिलने की उम्मीद है। हालांकि, वैश्विक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं।

राशिफल

मेष — धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष — वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह — सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या — किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर — व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ — मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन — परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

आम लोगों के हित के लिए काम करें आयकर अधिकारी : सीतारमण

- लोगों को अपने वैध कार्यों के लिए दर-दर भटकना न पड़े
- नियमों के दायरे में रहते हुए जनता के कार्यों का करे निपटारा

एजेंसी ⏭ मुंबई

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आयकर विभाग के अधिकारियों से आम नागरिकों के हित में कार्य करने की अपील करते हुए कहा है कि लोगों को अपने वैध कार्यों के लिए 'दर-दर भटकने' पर मजबूर नहीं होना चाहिए। वित्त मंत्री ने अधिकारियों से नियमों के दायरे में रहते हुए जनता के कार्यों का समयबद्ध और संवेदनशील तरीके से निपटारा करने का आग्रह किया। मुंबई के नरीमन पॉइंट स्थित 13 मंजिला 'आयकर सिंधु' भवन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने रविवार को कहा कि इस भवन के निर्माण के लिए आवश्यक अनुमतियां प्राप्त करने में स्वयं आयकर विभाग के अधिकारियों को भी कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सीतारमण ने कहा कि यदि विभाग के अधिकारी ऐसी कठिनाइयों का

ईमानदारी ही कर प्रशासन की आधारशिला

अपने संबोधन के अंत में सीतारमण ने कहा कि ईमानदारी ही कर प्रशासन की सबसे महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने सभी अधिकारियों से निष्पक्ष, पारदर्शी और ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

फेड के ब्याज दर पर निर्णय से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी बाजार पर डालेगा असर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

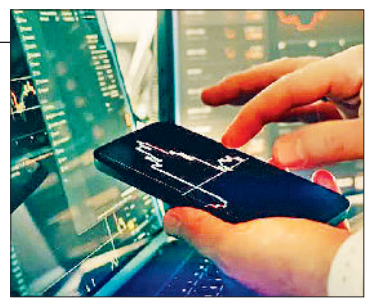

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों के अनुसार, इसके साथ ही चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही के कंपनियों के नतीजों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा, अमेरिका-ईरान संघर्ष, होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाली जहाजों की आवाजाही और कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव वैश्विक बाजारों की धारणा को प्रभावित करेंगे। वहीं, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक समीक्षा बैठक में ब्याज दरों और महंगाई पर दिए जाने वाले संकेत निवेशकों के लिए अहम रहेंगे। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर निवेशक जून महीने के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़ों पर भी नजर रखेंगे, क्योंकि इससे अर्थव्यवस्था की रफ्तार का संकेत मिलेगा। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौड़ ने कहा कि इस सप्ताह कई बड़ी कंपनियां अपने तिमाही परिणाम घोषित करेंगी।

शब्द पहेली - 6299

गिलार

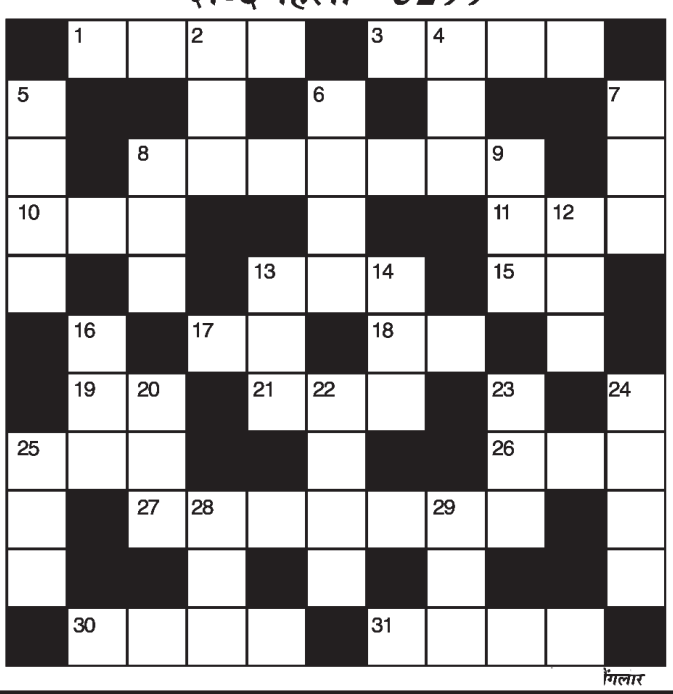

बाएँ से दाए
1. ईष्ट कृपा, वर-4
3. मान का विलोम-4
8. शैतानी करना-4,3
10. झगड़ा, बैर-3
11. जंगल, वन-3
13. सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15. जलने के बाद बचे अवशेष-2
17. कार्य-2
18. पतवार-2
19. नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21. नमस्कार-3
25. बूंद-3
26. जिज्ञासा, लगन-3
27. आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30. मां के माता-पिता-2,2
31. रपटना-4

ऊपर से नीचे
2. वलय, घेरा-3
4. तीन घंटे का समय-3
5. खिसकना-4
6. उन्मादी, मदमस्त-4
7. यज्ञ, होम-3
8. नगर-3
9. तिरस्कृत-3
12. रूप अभिमान-3
13. शांति-3
14. प्रतिज्ञा-3
16. सहभोज-3
20. मोजा, पायताबा-3
22. उदारता-4
23. परवरिश करना-3
24. वचन तोड़ना-4
25. लेखनी-3
28. लिखावट-3
29. अमीर, धनवान-3

शब्द पहेली- 6298 का हल

अ	मा	न	त		अ		बी	र	ब	ल
	ला		वा		म	हि	मा		ल	व
म			य	की	न		र			कु
त	क	ली	फ		चै	त्र		क	ल	श
वा		ड		रा	न		गै		ह	
ला	प	र	वा	ह		का	र	गु	जा	री
	र		दा		अ	स्त		मा		मा
प्र	ख	र		पा	प		म	न	च	ला
जा			शा		ह	न	न			गू
प	र		पि	ह	र		ह		शा	
ति	जा	र	त		ण		र	ह	म	त

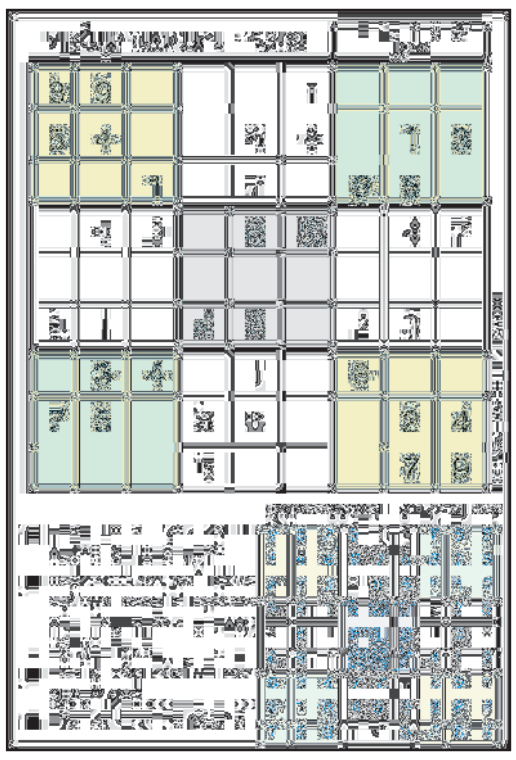

खबर संक्षेप

बेरोजगारी के मुद्दे पर प्रदर्शन, पुलिस से झड़प

संगरूर। पंजाब में सरकारी नौकरियों की मांग को लेकर रविवार को 'बेरोजगार संयुक्त मोर्चा पंजाब' के बैनर तले प्रदर्शन कर रहे युवाओं की मुख्यमंत्री भगवंत मान के आवास की ओर मार्च के दौरान पुलिस से झड़प हो गई। अधिकारियों के अनुसार, लंबे समय से उपायुक्त कार्यालय के बाहर धरना दे रहे प्रदर्शनकारियों ने 'वेरका प्लांट' से बैनर और झंडे लेकर मार्च किया।

असम की फैक्ट्री में धमाका, 4 की मौत

दिसपुर। असम के कछार जिले में रविवार सुबह एक फैक्ट्री में हुए भीषण धमाके में कम से कम 4 मजदूरों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह हादसा सुबह करीब 11:30 बजे उधारबंद थाना क्षेत्र के पंग्राम में स्थित काडे ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर एलएलपी नाम की रॉड बनाने वाली फैक्ट्री में हुआ। धमाका इतना तेज था कि फैक्ट्री के कुछ हिस्से पक्षतिग्रस्त हो गए।

दान राशि में गबन, आठ कर्मचारी निलंबित

कोयंबटूर। कोयंबटूर के अरुलमिगु कोनियम्मन मंदिर में हुंडी (दानपात्र) की राशि के गबन के मामले में आठ अधिकारियों और कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया। हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्त मंत्री पी. के. शेखर बाबू के आदेश पर की गई इस कार्रवाई में चोरी के आरोप का सामना कर रहे चार कर्मचारियों के अलावा गंभीर प्रशासनिक लापरवाही के आरोप में चार पर्यवेक्षी अधिकारियों को भी निलंबित किया गया है।

पीएम ने मन की बात 136वें कार्यक्रम में देशवासियों को संबोधित किया

युवा इनोवेटर्स ने वह कर दिखाया, जो कभी असंभव माना जाता था : मोदी

कार्यक्रम में कारगिल के वीरों को किया नमन, विक्रम-1 रॉकेट, 'हर घर तिरंगा' और युवाओं पर भी रखी बात

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के 136वें एपिसोड में देशवासियों को संबोधित किया। उन्होंने सबसे पहले कारगिल विजय दिवस पर देश के वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस ऐसी तारीख है, जिसे याद रखने के लिए दिन याद रखने की जरूरत नहीं होती। पीएम ने देश के युवाओं की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले रविवार विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण था। हम सभी ने भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के इस ऐतिहासिक पल को देखा। यह प्राइवेट सेक्टर द्वारा विकसित भारत का पहला रॉकेट है। हमारे युवा इनोवेटर्स ने वह कर दिखाया, जो कभी लगभग असंभव लगता था। उन्होंने अपने असाधारण कौशल, जुनून और धैर्य का परिचय दिया।

युवा भारत का नाम रोशन कर रहे

मोदी ने कहा कि हमारे युवा भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। साइंस ओलंपियाड दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से हैं, जिनमें बड़ी संख्या में छात्र हिस्सा लेते हैं। इस महीने फिजिक्स , कैमेस्ट्री, बायोलॉजी और मैथ के ओलंपियाड हुए। इनमें भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया।

मिट्टी की गणेश प्रतिमाएं अपनाएं

❍पर्यावरण संरक्षण पर बोलते हुए पीएम ने 'एक पेड़ मां के नाम' और 'कैच द रेन' अभियान का समर्थन किया। उन्होंने लोगों से प्लास्टिक का कम इस्तेमाल करने, मिट्टी की गणेश प्रतिमाएं अपनाने और जल संरक्षण में योगदान देने की अपील की।

❍स्थानीय उत्पादों व खादी को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने कश्मीर की वागु चटाई, बिजनौर की हर्बल चाय व नेशनल हैंडलूम डे का उल्लेख करते हुए लोगों से स्वदेशी उत्पाद खरीदने का आग्रह किया।

❍केरल में फुटबॉल के जरिए संस्कृत सिखाने की पहल, मणिपुर के वैज्ञानिक डॉ. रोनाल्डो मीनांशम की उपलब्धि, त्रिपुरा के पारंपरिक वाद्य यंत्रों के संरक्षण, पूर्व राष्ट्रपति डॉ. कलाम की पुण्यतिथि और 'हर घर तिरंगा' अभियान में भाग लेने की भी अपील की।

हर बूंद आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी पूंजी

मोदी ने लोगों से वर्षा जल का संरक्षण करने का आग्रह किया। आज बारिश की बचाई गई हर बूंद आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी पूंजी है। मोदी ने जल शक्ति मंत्रालय के 'कैच द रेन' अभियान में जनता की सक्रिय भागीदारी की सराहना की। 'कैच द रेन' जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन के लिए भारत सरकार का एक राष्ट्रव्यापी अभियान है। बोरवेल उपयोग में नहीं हैं, उनका भूजल पुनर्भरण के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। हम अपने किसी तालाब, कुएं या बावड़ी की जिम्मेदारी लें।

पीएम ने चीन सीमा से लगे 74 गांव घूमकर लौटे प्रतिभागियों से संवाद किया, बोले- युवा देश की ऊर्जा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम 2026 के प्रतिभागियों से बातचीत की। देशभर के 403 युवा भारत के बॉर्डर एरिया में बसे 74 गांव घूमकर लौटे थे। युवाओं से चर्चा के दौरान पीएम ने कहा कि जब सीमा के पास बसा गांव समृद्ध होता है, तब राष्ट्र की सुरक्षा भी मजबूत होती है, और विकास भी होता है। पीएम ने ने युवाओं को संदेश दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास में उनकी भागीदारी ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत बनेगी। यही इस इवेंट का मूल मंत्र है। इस इवेंट का मकसद बॉर्डर एरिया पर बसे गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है, ताकि युवाओं को भारत की अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे क्षेत्रों की सामाजिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक महत्व समझाया जा सके। वाइब्रेंट विलेज इवेंट माय भारत के जरिए आयोजित किया गया था। पीएम मोदी ने कहा था कि देश के बॉर्डर एरिया में बसे गांव सबसे आखिरी नहीं बल्कि पहले गांव हैं। इस साल का विकसित वाइब्रेंट विलेज इवेंट 4 जून से 30 जून तक दो फेज में किया गया था। इसके तहत लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के 74 वाइब्रेंट बॉर्डर गांवों को शामिल किया गया। देशभर के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 400 से ज्यादा युवाओं का चयन नेशनल लेवल पर ऑनलाइन क्विज के जरिए हुआ था।

■ पीएम ने वीडियो विकसित वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम को किया संबोधित

दक्षिणी राज्यों में कोरोना का बढ़ा खतरा

अस्पतालों को किया सतर्क इमरजेंसी बेड बनाने को कहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कोरोना के दौर की डरावनी यादें शायद ही कोई भूल पाया होगा। इसकी तीन लहरों के दौरान अस्पतालों के बाहर लंबी कतारें, ऑक्सीजन की कमी, मास्क और सेनिटाइजर हमारी जिंदगी का हिस्सा बन गए थे। हम सभी मानने लगे थे कि अब खतरा टल गया है।

हालांकि कोरोना फिर से दस्तक देता दिख रहा है। पिछले करीब एक महीने से देश के कई राज्यों जैसे महाराष्ट्र, केरल, आंध्र-प्रदेश और तेलंगाना से संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी की खबरें हैं। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में कोविड-19 के मामलों में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह बढ़ोतरी भले ही महामारी के दौर जैसी नहीं है, लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे नजरअंदाज करने की गलती न करने की सलाह दे रहे हैं। राज्य सरकारों ने निगरानी बढ़ा दी है, अस्पतालों को सतर्क रहने को कहा गया है और संदिग्ध मामलों की टेस्टिंग की जा रही है।

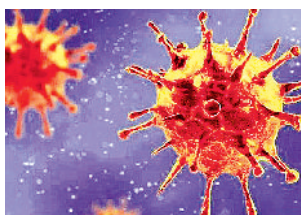

■ एक महीने से देश के कई राज्यों जैसे महाराष्ट्र, केरल, आंध्र-प्रदेश और तेलंगाना से संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी की खबरें

आंध्र प्रदेश में संक्रमण के करीब 50 मामले

आंध्र प्रदेश में कोविड-19 के 10 नए मामले सामने आए। मामलों की संख्या बढ़कर 49 हो गई है। 4 की मौत हो चुकी है। 24 मरीज अस्पतालों में हैं, जबकि 16 मरीज मेडिकल देख-रेख में घर पर हैं। 5 लोग संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। पूर्वी गोदावरी जिले में सबसे ज्यादा 11 मामले दर्ज किए गए हैं। गुंटूर में 9 मामले दर्ज किए गए, कडप्पा में 8, विशाखापत्तनम में 5, एनटीआर में 3 और काकीनाडा, एलुरु और बापटला में 2-2 मामले सामने आए।

असम के मंत्री की बेटी भी प्रदर्शन में उतरी, सरकार के खिलाफ नारे लगाए

दिबिसा के वीडियो की पुष्टि नहीं हुई

नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ी व प्रदर्शन ने अब नया राजनीतिक मोड़ ले लिया

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी में नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ी और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन ने नया राजनीतिक मोड़ ले लिया है। इस प्रदर्शन में असम सरकार के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री और असम गण परिषद (एजीपी) नेता केशब महंता की बेटी दिबिसा भी शामिल हुईं। उनके प्रदर्शन में शामिल होने और प्रधानमंत्री के खिलाफ नारे लगाने के कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद राजनीतिक बहस तेज हो गई।

हिंसा में शामिल टीएमसी के 14 कार्यकर्ता गिरफ्तार

कोलकाता। नीट पेपर लीक के मामले में बंगाल के धर्मतला में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस और पत्रकारों के खिलाफ काफी हिंसा हुई थी। इस मामले में पुलिस ने 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें टीएमसी का कार्यकर्ता भी है।

नोटरीकृत समझौते से हिंदू विवाह व तलाक नहीं होते वैधः मप्र हाईकोर्ट

जबलपुर(एजेंसी)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि हिंदू विवाह को न तो केवल नोटरीकृत समझौते के आधार पर संपन्न माना जा सकता है और न ही ऐसे समझौते के जरिए वैध रूप से समाप्त किया जा सकता है। अदालत ने कहा कि हिंदू कानून के तहत विवाह कोई अनुबंध नहीं है, इसलिए केवल नोटरीकृत विवाह समझौते से वैध विवाह नहीं माना जाएगा। यह टिप्पणी जस्टिस जीएस अहलूवालिया और जस्टिस अनुराधा शुक्ला की खंडपीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान की। सुमन बाई से जुड़ा था जो जनजातीय एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग में चौकीदार के पद पर स्थायी कर्मचारी थीं। सेवा के दौरान उनका निधन हो गया। उनके निधन के बाद अपीलकर्ता राम कृपाल ने स्वयं को उनका पति बताते हुए पेंशन और अन्य सेवा संबंधी लाभों की मांग की। हालांकि, राज्य सरकार ने दावा किया कि सेवा अभिलेखों के अनुसार कोक सिंह ही सुमन बाई के पति थे, इसलिए राम कृपाल इन लाभों के हकदार नहीं हैं। एकल पीठ ने यह कहते हुए राम कृपाल की याचिका खारिज कर दी थी कि वह सुमन बाई से अपने वैध विवाह को साबित नहीं कर सके।

■ महिला की मौत के बाद नौकरी से जुड़ा है मामला

जंतर-मंतर पर आंदोलन खत्म, सफाई अभियान शुरू

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक और एजुकेशन सिस्टम में गड़बड़ी को लेकर 20 जून से जंतर-मंतर पर हो रहा धरना-प्रदर्शन शनिवार को खत्म हो गया। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने आंदोलन खत्म करने की घोषणा की। इसके बाद जंतर-मंतर से प्रदर्शनकारी घर लौटने लगे। यहां 36 दिनों से लगा हुआ मंच हटा दिया गया। लाउडस्पीकर निकाल दिए गए। इसके बाद धरनास्थल पर बचे हुए कचरे को एनडीएमसी और स्टूडेंट्स ने साफ किया। पुलिस बल यहां तैनात रही। एनडीएमसी के अधिकारियों ने बताया कि टॉलस्टॉय मार्ग, जंतर-मंतर, संसद मार्ग, जय सिंह मार्ग और कनॉट प्लेस क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

- 75 सफाईकर्मियों को तैनात किया गया, जबकि रविवार सुबह से 35 अन्य कर्मचारी सफाई कार्य में लगे
- शनिवार रात तक करीब 40 मीट्रिक टन कचरा हटाया
- रविवार सुबह से 12 मीट्रिक टन कचरा साफ किया

चिंतन

आंदोलन खत्म, अब सुधारों की बारी

नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर चला छात्रों का आंदोलन आखिरकार केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद समाप्त हो गया। अब आंदोलन खत्म होने के बाद देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार लागू करने की बारी है, ताकि जवाबदेही तय हो सके और परीक्षाओं में पारदर्शिता आए। परीक्षा प्रणाली में ऐसे ठोस और संस्थागत सुधार किए जाएं, जो भविष्य में इस तरह के संकट की पुनरावृत्ति रोक सकें और करोड़ों विद्यार्थियों का भरोसा फिर से मजबूत करें। अब देश की निगाहें सरकार द्वारा प्रस्तावित परीक्षा सुधारों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर टिकी हैं। वहीं, केंद्र सरकार सोमवार को लोकसभा में कड़े नकल विरोधी कानून से जुड़ा 'सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' पेश करेगी। प्रस्तावित संशोधनों के तहत दोषियों के लिए 10 वर्ष तक की सजा और 10 करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। यदि संसद से पारित होकर ये प्रावधान प्रभावी ढंग से लागू होते हैं, तो परीक्षा माफिया के खिलाफ एक स्पष्ट और सख्त संदेश जाएगा। मामलों की सुनवाई के लिए विशेष फास्ट ट्रैक अदालतों का प्रस्ताव भी महत्वपूर्ण है। जांच को दो माह के भीतर पूरा करने और आरोप-पत्र दाखिल होने के बाद तीन माह के भीतर सुनवाई समाप्त करने की समय-सीमा तय करना न्याय प्रक्रिया को गति देने का प्रयास है। यदि यह व्यवस्था व्यवहार में भी उतनी ही प्रभावी साबित होती है, तो वर्षों तक लंबित रहने वाले मामलों की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है और कानून का भय भी बढ़ेगा। दूसरी तरफ सरकार ने इन्फोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में परीक्षा सुधारों के लिए एक हाई पावर्ड टास्क फोर्स का गठन किया है। यह कदम इस बात का संकेत है कि सरकार परीक्षा व्यवस्था में केवल तात्कालिक नहीं, बल्कि दीर्घकालिक और संरचनात्मक बदलाव चाहती है। इस टास्क फोर्स से अपेक्षा है कि वह प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित जोखिम पहचान, परीक्षा संचालन, डेटा सुरक्षा और संस्थागत जवाबदेही को मजबूत करने के लिए व्यावहारिक सुझाव देगी। यदि इसकी सिफारिशों को समयबद्ध तरीके से लागू किया जाता है, तो देश की परीक्षा प्रणाली अधिक आधुनिक, सुरक्षित और विश्वसनीय बन सकती है। सरकार ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित परीक्षाओं (सीबीटी) के विस्तार, परीक्षा केंद्रों की निगरानी और तकनीकी सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है। प्रतियोगी परीक्षाएं करोड़ों युवाओं के सपनों का आधार होती हैं। यदि उन्हें यह भरोसा नहीं रहेगा कि उनकी सफलता केवल उनकी मेहनत से तय होगी, तो पूरी शिक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लग जाएगा। इसलिए सुधारों का लक्ष्य केवल अपराधियों को दंडित करना नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाना होना चाहिए, जिसमें गड़बड़ी की गुंजाइश ही न्यूनतम रह जाए। आंदोलन समाप्त हो चुका है, लेकिन सुधारों की असली परीक्षा अब शुरू हुई है। यदि सरकार घोषित कानूनी, प्रशासनिक और तकनीकी सुधारों को ईमानदारी और समयबद्ध तरीके से लागू करती है, तो यह केवल परीक्षा प्रणाली ही नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य में विश्वास को भी नई मजबूती देगा। अब देश को इस्तीफों से आगे बढ़कर स्थायी सुधारों का परिणाम देखना है।

अर्थव्यवस्था

डॉ.जयंतीलाल भंडारी

अमेरिका से बढ़ती आर्थिक चुनौतियां

अमेरिकी सीनेट में पेश किए गए एक नए विधेयक के तहत एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन साल की रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस कदम से अमेरिका जाने का सपना देख रहे भारतीय आईटी और तकनीकी क्षेत्र के पेशेवरों पर सीधा और बड़ा असर पड़ सकता है। वीजा के लिए नए प्रस्तावों में 1,00,000 डॉलर (लगभग 85-95 लाख रुपये) तक का भारी-भरकम शुल्क और कठोर न्यूनतम वेतन मानदंड शामिल हैं। वीजा के लिए पारंपरिक रैंडम लॉटरी खत्म करके केवल उच्च वेतन और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की तैयारी है। वीजा धारकों के आश्रितों और परिजनों पर भी कई तरह की पाबंदियां लगाने की चर्चा है।

इन दिनों अमेरिका में एच-1बी वीजा रोक की तैयारी और भारत के लिए बढ़ते हुए टैरिफ से संबंधित तीन परिदृश्य भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौतियां के रूप में दिखाई दे रहे हैं। एक, 25 जुलाई को अमेरिकी सीनेट में एच-1बी वीजा पर 3 साल तक रोक लगाने संबंधी एक नया और बेहद सख्त विधेयक पेश किया गया है। दो, 24 जुलाई से धारा 301 के तहत अमेरिका में भारतीय आयातों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लागू किया गया है। तीन, 1 अगस्त 2026 से अमेरिका के द्वारा आयात की जाने वाली भारत की जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से 200 प्रतिशत तक टैरिफ का ऐलान किया गया है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिकी सीनेट में पेश किए गए एक नए विधेयक के तहत एच-1बी वीजा जारी करने पर तीन साल की रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस कदम से अमेरिका जाने का सपना देख रहे भारतीय आईटी और तकनीकी क्षेत्र के पेशेवरों पर सीधा और बड़ा असर पड़ सकता है। वीजा के लिए नए प्रस्तावों में 1,00,000 डॉलर (लगभग 85-95 लाख रुपये) तक का भारी-भरकम शुल्क और कठोर न्यूनतम वेतन मानदंड शामिल हैं। वीजा के लिए पारंपरिक रैंडम लॉटरी खत्म करके केवल उच्च वेतन और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों को प्राथमिकता देने की तैयारी है। वीजा धारकों के आश्रितों और परिजनों पर भी कई तरह की पाबंदियां लगाने की चर्चा है। हालांकि, 1 लाख डॉलर की भारी फीस वाले प्रशासनिक आदेश पर अदालती रोक फिलहाल बरकरार है, फिर भी संसद में पेश इस नए विधेयक ने अनिश्चितता का माहौल बना दिया है। यदि यह कानून लागू होता है, तो भारतीय पेशेवरों और सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए चुनौतियां काफी बढ़ सकती हैं। शुरुआत में भारत पर 12.5 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव था, जिसे घटाकर 10 प्रतिशत किया गया है। भारत द्वारा अपनी विदेश व्यापार नीति में सुधार कर जबरन मजदूरी से बने सामानों पर प्रतिबंध लगाने के कारण यह राहत मिली है। यह बात महत्वपूर्ण है कि अमेरिका भारत का सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार और सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। वर्ष 2025-26 में दोनों देशों के बीच लगभग 141 अरब अमेरिकी डॉलर का व्यापार हुआ था, जिसमें भारत का कुल निर्यात 87.3 अरब डॉलर रहा था। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की बड़ी हिस्सेदारी होने के कारण वस्त्र उद्योग, रत्न एवं आभूषण, वाहन कलपुर्जे जैसे क्षेत्रों के लाभ मार्जिन पर सीधा प्रहार होगा। इसी परिप्रेक्ष्य में यह भी चिंताजनक है कि 22 जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा आयातित जेनेरिक दवाओं पर चरणबद्ध तरीके से टैरिफ लागू करने की घोषणा की गई है। इस नीति के तहत 1 अगस्त 2026 से 31 जुलाई 2028 तक, यानी शुरुआती दो वर्षों के लिए, आयातित जेनेरिक दवाओं को टैरिफ से पूरी तरह मुक्त रखा गया है, ताकि अमेरिकी बाजार में दवा आपूर्ति में तुरंत कोई बाधा न आए। इसके पश्चात, 1 अगस्त 2028 से 31 जुलाई 2029 तक एक वर्ष के लिए दवाओं के मूल्य पर सीधे 100 प्रतिशत का टैरिफ लागू किया जाएगा। अंततः 1 अगस्त 2029 के बाद इस टैरिफ को बढ़ाकर 200 प्रतिशत के उच्चतम स्तर पर पहुंचा दिया जाएगा। ट्रंप द्वारा जेनेरिक दवाओं पर इस कड़े टैरिफ ढांचे को

अपनाने का मुख्य उद्देश्य विदेशी दवा कंपनियों को अमेरिका के भीतर निर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए बाध्य करना है। जो दवा निर्माता दी गई इस समयावधि के भीतर अपना उत्पादन घरेलू स्तर पर अमेरिका में स्थानांतरित नहीं करेंगे, उन पर 200 प्रतिशत का भारी आर्थिक दंडस्वरूप टैरिफ लागू होगा। अब अमेरिकी टैरिफ की इस नई चुनौती से निपटने के लिए भारत को कई रणनीतिक बिंदुओं पर तुरंत ध्यान केंद्रित करना होगा। अगस्त 2026 से जुलाई 2028 तक मिलने वाली शून्य प्रतिशत शुल्क की अवधि का उपयोग भारतीय कंपनियों और सरकार को दीर्घकालिक रणनीति बनाने में करना चाहिए। बड़ी भारतीय दवा कंपनियों को यह मूल्यांकन करना होगा कि क्या अमेरिका में स्थानीय संयंत्र स्थापित करना या वहां की कंपनियों के साथ रणनीतिक साझेदारी करना आर्थिक रूप से व्यावहारिक है। चूंकि अमेरिका में प्लांट लगाने और एफडीए मंजूरी में भारी निवेश लगता है, इसलिए यह देखना होगा कि टैरिफ लगने के बाद भी क्या भारतीय दवाएं अमेरिकी विकल्पों से सस्ती रह पाती हैं या नहीं। भारत को अपनी निर्भरता केवल अमेरिकी बाजार तक सीमित न रखकर यूरोपीय संघ, लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और एशिया के उभरते बाजारों में अपना निर्यात तेजी से बढ़ाना चाहिए। पारंपरिक जेनेरिक दवाओं के स्थान पर अब जटिल जेनेरिक और बायोसिमिलर दवाओं के शोध व विकास पर अधिक ध्यान देना होगा। भारत को अपनी लागत-कुशल उत्पादन रणनीति और दवाओं की विश्वस्तरीय गुणवत्ता पर निरंतर ध्यान देना होगा। सरकार को फार्मा पार्कों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना होगा और दवा उद्योग के साथ आईटी व डिजिटल विशेषज्ञता को एकीकृत करना होगा। स्वदेशी फार्मास्युटिकल अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए दवा अनुमोदन प्रक्रियाओं को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाना होगा तथा वैश्विक नियामक प्राधिकरणों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। यद्यपि पिछले वर्ष ब्रांडेड दवाओं पर लगाया गया टैरिफ भारत के लिए बेअसर साबित हुआ था, लेकिन अब जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ की यह नई चुनौती अधिक गंभीर है।

भारत को अपनी फार्मा रणनीति को नए सिरे से गढ़ना होगा। निश्चित रूप से टैरिफ की चुनौतियों के मद्देनजर अमेरिका व भारत के बीच अंतिम आकार ले रहे द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की अहमियत बढ़ गई है। ऐसा एक औपचारिक और संतुलित व्यापार समझौता भारत के प्रमुख निर्यात उत्पादों जैसे दवाई, रत्न एवं आभूषण, वस्त्र, मसाले और हस्तशिल्प पर अमेरिकी शुल्क दरों को काफी कम या शून्य दर पर ला सकता है। इससे धारा 301 के तहत लगे 10 प्रतिशत टैरिफ और भविष्य में जेनेरिक दवाओं पर लगने वाले भारी टैरिफ का असर स्वतः समाप्त या सीमित हो जाएगा, जिससे भारतीय निर्यातक अमेरिकी बाज़ार में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रख सकेंगे। द्विपक्षीय व्यापार समझौते का दूसरा सबसे बड़ा लाभ वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की केंद्रीय भूमिका के रूप में सामने आएगा। दुनिया के प्रमुख देश अब किसी एक बाज़ार पर अति-निर्भरता समाप्त कर सुरक्षित विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। इस समझौते के माध्यम से अमेरिकी कंपनियां इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन कलपुर्जे, सौर ऊर्जा और सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्रों में भारत को एक विश्वसनीय और पसंदीदा वैश्विक केंद्र के रूप में चुनेंगी। इससे न केवल देश में बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि घरेलू विनिर्माण क्षमता का भी अभूतपूर्व विस्तार होगा। लॉजिस्टिक्स लागत घटाकर तथा अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानक अपनाकर भारतीय उत्पादों को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाना आवश्यक है।

(लेखक अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

इस्तीफा

डॉ. घनश्याम बादल

सत्ता की सबसे बड़ी परीक्षा चुनाव नहीं, विश्वास

सत्ता कभी यह स्वीकार नहीं करती कि वह दबाव में है। वह निर्णयों को दूरदर्शिता का नाम देती है, परिस्थितियों को सामान्य बताती है और विरोध को राजनीति कहकर खारिज करती है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि कभी-कभी सड़क संसद से अधिक प्रभावशाली हो जाती है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा भी उसी सत्य की पुनर्पुष्टि है। यह केवल एक मंत्री के पद छोड़ने की घटना नहीं है। यह उस बेचैनी का राजनीतिक स्वीकार है जो पिछले कुछ समय से देश के युवाओं के मन में उबल रही थी। प्रश्न केवल परीक्षा का नहीं था।

प्रश्न यह था कि क्या इस देश में मेहनत करने वाले छात्र का भविष्य सुरक्षित है? क्या उसकी सफलता उसकी योग्यता तय करेगी या व्यवस्था की लापरवाही? जब ये प्रश्न लाखों युवाओं के भीतर एक साथ उठते हैं, तब उनका उत्तर किसी प्रेस कॉन्फ्रेंस से नहीं, बल्कि राजनीतिक निर्णयों से देना पड़ता है। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा उसी उत्तर का पहला वाक्य है, पूरी कहानी नहीं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि सरकार ने वह किया, जिसे वह लंबे समय तक करने से बचती रही। पहले सफ़ाइयां दी गईं। फिर जांच बैठी। फिर सुधारों का आश्वासन दिया गया। उसके बाद भी जब आक्रोश शांत नहीं हुआ तो अंततः राजनीतिक उत्तरदायित्व स्वीकार करना पड़ा। यह स्वीकारोक्ति जितनी आवश्यक थी, उतनी ही विलंबित भी। राजनीति में देर से लिया गया सही निर्णय भी कई बार अधूरा साबित होता है।

यदि यही कदम तब उठाया जाता, जब युवाओं का विश्वास पहली बार डगमगाया था, तो शायद सड़कों पर उतरने की नौबत ही नहीं आती। सरकार ने अंततः घाव पर मरहम लगाया, लेकिन तब जबकि घाव नासूर बनने लगा था। भाजपा के लिए यह घटना एक गंभीर राजनीतिक संदेश है। पिछले एक दशक में पार्टी ने निर्णायक नेतृत्व और मज़बूत प्रशासन की छवि बनाई है। किंतु निर्णायक नेतृत्व का अर्थ केवल कठोर निर्णय लेना नहीं होता; समय पर सही निर्णय लेना भी होता है। यदि जनता यह मानने लगे कि सरकार केवल दबाव पड़ने पर ही प्रतिक्रिया देती है, तो उसकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी-विश्वसनीयता-धीरे-धीरे क्षीण होने लगती है। यहां विपक्ष भी पूरी तरह निर्दोष नहीं है। किसी मंत्री का इस्तीफ़ा लोकतंत्र की अंतिम विजय नहीं होता। यदि विपक्ष इसे केवल राजनीतिक ट्रॉफी बनाकर रख देगा और शिक्षा व्यवस्था के व्यापक सुधारों पर गंभीर विमर्श नहीं करेगा, तो वह भी युवाओं की अपेक्षाओं के साथ न्याय नहीं कर पाएगा। आंदोलन का उद्देश्य व्यक्ति नहीं, व्यवस्था होनी चाहिए। अब सबसे बड़ा प्रश्न जंतर-मंतर पर चल रहे आंदोलन का है। क्या मंत्री के इस्तीफ़े के बाद धरना समाप्त हो जाएगा?

यदि ऐसा होता है, तो यह मानना पड़ेगा कि आंदोलन का लक्ष्य व्यक्ति था, व्यवस्था नहीं। लेकिन यदि आंदोलन जारी रहता है और उसकी मांगें परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, संस्थागत सुधार, जवाबदेही और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा तक विस्तृत होती हैं, तब यह भारतीय लोकतंत्र के लिए अधिक परिपक्व संकेत होगा। आंदोलनों की सफलता किसी पदत्याग से नहीं, नीतिगत परिवर्तन से मापी जाती है। आगामी चुनावों पर इसका प्रभाव अवश्य पड़ेगा, पर उसकी तीव्रता सरकार के अगले कदम तय करेंगे। मतदाता भूल भी जाता है, पर युवा अपमान नहीं भूलता। यदि उसे लगे कि उसकी मेहनत का सम्मान लौटा है, तो राजनीतिक क्षति सीमित रह जाएगी। लेकिन यदि यह धारणा बनी कि केवल एक चेहरा बदला गया और व्यवस्था वैसी ही रही, तो यह असंतोष मतदान की चुप्पी में भी दिखाई देगा। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा सबक शायद यही है कि भारत की नई राजनीति का केंद्र अब जाति और धर्म के साथ-साथ युवा आकांक्षाएं भी बन चुकी हैं। यह पीढ़ी भाषणों से अधिक अवसर चाहती है, नारों से अधिक निष्पक्षता और आश्वासनों से अधिक विश्वसनीय संस्थाएं। जो राजनीति इस बदलाव को नहीं समझेगी, वह धीरे-धीरे अपनी ज़मीन खोती जाएगी। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा एक व्यक्ति का राजनीतिक अवसान नहीं है। यह सत्ता के लिए चेतावनी है कि लोकतंत्र में जनता केवल सरकार नहीं चुनती, जवाबदेही भी तय करती है।

जब करोड़ों युवाओं का भविष्य दांव पर हो, तब सत्ता की सबसे बड़ी परीक्षा चुनाव नहीं, विश्वास होती है। अब देश की निगाह नए शिक्षा मंत्री पर नहीं, नई शिक्षा व्यवस्था पर है। क्योंकि मंत्री बदलने से राजनीति बदल सकती है, लेकिन व्यवस्था तभी बदलती है, जब सत्ता यह स्वीकार करे कि जनता केवल शासन नहीं, न्याय भी चाहती है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

योग के सभी सूत्र जीवन की आधारशिला

संकलित

दर्शन

योग प्राचीन काल से भारतीय आध्यात्मिक संचेतना का केंद्र रहा है। इसके आदिम सूत्रधार परमयोगी भगवान शिव हैं। योग शब्द का प्रयोग विभिन्न अर्थों में होता रहा है। समाधि अर्थ में इसका प्रयोग आत्मा और परमात्मा के मिलन के लिए किया जाता है, जब साधक अपनी साधना की चरमावस्था में परमात्मा से एकाकार होकर उसका साक्षात्कार कर लेता है। अग्निपुराण में भी मन एवं आत्मा तथा आत्मा और परमात्मा के संयोग को योग कहा गया। सांख्यदर्शन के अनुसार प्रकृति और पुरुष का भेद होने पर भी पुरुष का आत्मस्वरूप में स्थित हो जाना योग कहलाता है। कठोपनिषद् के अनुसार, जब इंद्रियां मन के साथ और मन अविचल बुद्धि के साथ स्थिर हो जाता है तो यह अवस्था योग की होती है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने 'योगः कर्मसु कौशलम्' कहकर योग का जो स्वरूप अजरुन के समक्ष प्रस्तुत किया है वह सामान्य जन के सर्वाधिक निकट है। कोई भी मनुष्य एकाग्रचित्त होकर निष्काम भाव से कर्म करते हुए योग को सिद्ध कर सकता है। योगसूत्र के प्रणोता महर्षि पतंजलि संयमन अर्थ में चित्तवृत्तियों के निरोध को योग कहते हैं। उनके अनुसार यम, नियम, आसन, ध्यान, धारणा आदि आठ अंगों से संपन्न प्राणायाम की विविध क्रियाएं योग कहलाती हैं। इससे चित्त की एकाग्रता बढ़ती है। बुद्धि में स्थिरता आती है। चिंतन उत्कृष्ट होता है। मन में सद्विचारों का उदय होता है। नकारात्मक प्रवृत्तियां स्वतः समाप्त हो जाती हैं। परिणामतः आत्मिक और शारीरिक शक्तियों में वृद्धि होती है।

अहंकार ही व्यक्ति की समस्याओं का कारण

संकलित

प्रेरणा

एक बार नारद मुनि ने कामदेव को पराजित कर दिया तो इस बात का घमंड हो गया। इसके बाद नारद जी जहां जाते, वहां अपनी तारीफ करने लगते। ऐसे ही एक दिन वे शिव जी के पास पहुंच गए। नारद जी ने शिव जी के सामने अपनी प्रशंसा करना शुरू कर दी। शिव जी नारद मुनि की बातें सुनकर समझ गए कि इन्हें अहंकार हो गया है। शिव जी से विदा लेकर नारद मुनि विष्णु जी के पास पहुंच गए और विष्णु जी के सामने अपनी तारीफ करनी शुरू कर दी। विष्णु जी के सामने नारद मुनि ने अहंकार दिखाया तो विष्णु जी ने तय किया कि नारद जी भक्त हैं और इनका घमंड करना सही नहीं है। इसके बाद विष्णु जी ने अपनी माया रची। नारद मुनि विष्णु जी के यहां लौट रहे थे तो उन्हें रास्ते में एक सुंदर राज्य दिखा। वे उस राज्य में पहुंचे तो वहां देखा कि एक राजकुमारी का स्वयंवर हो रहा है। राजकुमारी बहुत सुंदर थी। उसे देखकर नारद ही मोहित हो गए और तुरंत ही विष्णु जी के पास पहुंच गए। नारद मुनि ने विष्णु जी से कहा कि आप मुझे सुंदर रूप दे दीजिए। ताकि मैं उस स्वयंवर राजकुमारी से विवाह कर सकूं। इसके बाद नारद मुनि उस स्वयंवर में पहुंच गए। विष्णु जी ने नारद मुनि को बंदर का मुख दे दिया था। स्वयंवर में नारद पहुंचे तो वहां बंदर जैसे मुख की वजह से उनका बहुत अपमान हुआ। गुस्से में नारद मुनि ने विष्णु जी को शाप दे दिया, लेकिन जब उनका मन शांत हुआ तो उन्हें पूरी बात समझ आ गई। जब नारद का घमंड टूटा तो उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी।

अंतर्मन

आज की पाती

आयकर के प्रति गंभीरता जरूरी

24 जुलाई को आयकर दिवस मनाया गया। वर्ष 1860 को सर जेम्स विल्सन ने कर व्यवस्था को शुरू किया था। आयकर दिवस मनाने का मुख्य कारण करदाताओं का देश के विकास में जो महत्वपूर्ण योगदान है, उसके लिए इन्हें सम्मान देना और लोगों को आयकर के प्रति जागरूक करना भी है। जितने भी करदाता हैं, चाहे वो बिजनेसमैन हों, छोटे-बड़े उद्योगपति हों, दुकानदार या अन्य कोई भी, इन सभी का देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान है। सरकारें आमजन को जितनी भी मुफ्त की सुविधाएं देती हैं वो भी इन्हीं करदाताओं की बदौलत हैं। देश की आर्थिक व्यवस्था को सुधारने में टैक्स प्रणाली का बहुत बड़ा योगदान होता है। कर देने वालों का सम्मान जरूरी है, ताकि देश में विकास कार्य न रुकें।

– सुनील गुप्ता, रोहतक

ट्रेंड

अनाहत सिंह पर गर्व

2026 वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि। गोल्ड मेडल जीतने और वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी बनने पर अनाहत सिंह पर गर्व है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

निष्पक्षता की मांग

दिल्ली में शांतिपूर्ण विरोध कर रहे छात्रों पर पैलेट गन, लाठी और आंसू गैस का इस्तेमाल किया गया। मैं 19 साल के साहिल लोचब से मिला। पैलेट लगने से उनकी एक आंख जा सकती है। उनका "गुनाह" क्या था? पेपर लीक को खत्म करने और भविष्य के लिए निष्पक्षता की मांग करना।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

राष्ट्र हित सर्वोपरि

भारतीय सेना की अद्वितीय वीरता, अटूट संकल्प और सर्वोच्च बलिदान राष्ट्र को सदा गौरवान्वित करता रहेगा। हमारे नायकों का साहस, अनुशासन और मातृभूमि के प्रति समर्पण हम सभी को राष्ट्र हितों को सर्वोपरि रखने के लिए सदा प्रेरित करता रहेगा।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

सीआईडी की विश्वसनीयता

शराब घोटाले, जेएसएससी और ट्रेजरी घोटाले की जांच में सीआईडी के कामकाज को लेकर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। अब जेपीएससी मामले में भी वैसी ही आशंकाएं सामने आ रही हैं। जनता के बीच सीआईडी की विश्वसनीयता लगभग खत्म हो चुकी है।

- बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

भारत एनआईडी को वैध यात्रा दस्तावेज की मान्यता दे

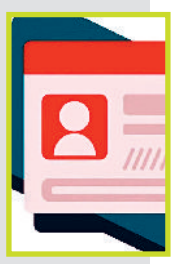

नेपाल ने भारत की यात्रा पर आने वाले नेपाली नागरिकों के लिए राष्ट्रीय पहचान पत्र (एनआईडी) को वैध यात्रा दस्तावेज के रूप में मान्यता देने का अनुरोध किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। इस कदम के लागू होने पर नागरिकता प्रमाणपत्र और पासपोर्ट के साथ-साथ राष्ट्रीय पहचान पत्र का भी यात्रा दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। आव्रजन विभाग के प्रवक्ता टीका राम ढकाल ने बताया कि विभाग ने राजनयिक माध्यमों से यह प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा है और भारत की यात्रा के लिए राष्ट्रीय पहचान पत्र को मान्यता देने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, 'हमने गृह मंत्रालय के माध्यम से यह प्रस्ताव पहले ही विदेश मंत्रालय को भेज दिया था और विदेश मंत्रालय ने इसे भारत के संबंधित अधिकारियों को अग्रेषित कर दिया है।' ढकाल ने कहा, ' 'हम इस मामले में काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के संपर्क में हैं और भारत की ओर से औपचारिक जवाब की प्रतीक्षा कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि यदि इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है तो राष्ट्रीय पहचान पत्र हवाई और सड़क, दोनों मार्गों से भारत की यात्रा करने वाले नेपाली नागरिकों के लिए नागरिकता प्रमाणपत्र और पासपोर्ट के साथ तीसरा वैध पहचान दस्तावेज बन जाएगा।

ऑफ बीट

रेन कोट की पानी से बचाव की क्षमता घटने के कारण

तेज बारिश में बाहर निकलने के कुछ ही समय बाद यदि रेन कोट के अंदर कपड़े भीगने लगें, तो अक्सर लगता है कि 'वाटरप्रूफ' कोट ने काम करना बंद कर दिया। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि आमतौर पर रेन कोट अचानक खराब नहीं होता, बल्कि उसकी बाहरी परत, गंदगी और लंबे उपयोग का असर धीरे-धीरे उसकी क्षमता कम करता है। अधिकतर गुणवत्तापूर्ण रेन कोट के भीतर एक विशेष वाटरप्रूफ मेम्ब्रेन लगी होती है। गोर-टेक्स जैसी तकनीक में पीटीएफई या ईपीटीएफई की अत्यंत पतली परत होती है, जिसमें सूक्ष्म छिद्र बने होते हैं। ये छिद्र पानी की बूंदों को भीतर आने से रोकते हैं, लेकिन शरीर से निकलने वाली जलवाष्प को बाहर जाने देते हैं। कुछ अन्य कोट ठोस, गैर-छिद्रयुक्त मेम्ब्रेन का उपयोग करते हैं, जो नमी को अवशोषित कर अणु-दर-अणु बाहर निकालती हैं। रेन कोट के बाहरी कपड़े पर 'ड्यूरेबल वाटर रिपेलेंट' (डीडब्ल्यूआर) नामक रासायनिक परत लगाई जाती है, जिससे पानी बूंदों के रूप में फिसल जाता है। पहले इन परतों में पीएफएएस जैसे 'फॉरएवर केमिकल्स' का इस्तेमाल होता था, लेकिन पर्यावरणीय चिंताओं के कारण अब सिलिकॉन या हाइड्रोकार्बन आधारित विकल्प अपनाए जा रहे हैं।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 फोनः 9253681019-20

ई-मेल : haribhoomi@gmail.com

वेब-साइट : www.haribhoomi.com

ऋषिकांत सिंह ने वेटलिफ्टिंग में स्नैच रिकॉर्ड के साथ जीता सिल्वर मेडल

एजेंसी ▶▶| ग्लास्गो

क्लीन एवं जर्क में अंतिम दो प्रयास में चूकने के बाद भारत के ऋषिकांत सिंह चानमबम को रविवार को राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 60 किग्रा भारोत्तोलन स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

मणिपुर के ऋषिकांत ने कुल 264 किग्रा (121 और 143 किग्रा) वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 121 किग्रा वजन उठाकर राष्ट्रमंडल खेलों के रिकॉर्ड की बराबरी की। हालांकि क्लीन एवं जर्क में वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके, जिसके कारण दूसरे स्थान पर रहे।

स्नैच में ऋषिकांत ने बनाया नया रिकॉर्ड

ऋषिकांत ने स्नैच में 121 किग्रा वजन उठाकर खेलों का नया रिकॉर्ड बनाया। हालांकि क्लीन एवं जर्क में वह केवल 143 किग्रा वजन ही उठा सके। मलेशिया के बिन कसदान मोहम्मद अनीक ने कुल 273 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने स्नैच में 121 किग्रा वजन उठाने के बाद क्लीन एवं जर्क में खेलों का रिकॉर्ड 152 किग्रा वजन उठाया। कीनिया के जोशुआ अमुंगा एमबोया ने कुल 260 किग्रा वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। उन्होंने स्नैच में 115 जबकि क्लीन एवं जर्क में 145 किग्रा वजन उठाया।

स्नैच में 121 किग्रा वजन उठाकर की रिकॉर्ड की बराबरी

सक्षम खिलाड़ियों के बीच भारत का पहला पदक

स्नैच में ऋषिकांत ने सफलतापूर्वक 116 किग्रा वजन उठाकर शुरुआत की और फिर 119 किग्रा और आखिर में 121 किग्रा वजन उठाया। क्लीन एवं जर्क में ऋषिकांत ने पहले प्रयास में 143 किग्रा वजन सफलतापूर्वक उठाया लेकिन दूसरे प्रसास में 148 और तीसरे प्रयास में 151 किग्रा वजन उठाने में नाकाम रहे और स्वर्ण पदक जीतने से चूक गए। ऋषिकांत का यह पदक मौजूदा खेलों में सक्षम खिलाड़ियों के बीच भारत का पहला पदक है।

भारतीय पुरुष चार गुणा 200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले तैराकी टीम फाइनल में

ग्लास्गो। भारतीय पुरुष चार गुणा 200 मीटर फ्रीस्टाइल रिले टीम ने रविवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों की तैराकी स्पर्धा में अपनी हीट में तीसरा स्थान हासिल कर फाइनल में प्रवेश कर पदक जीतने की उम्मीद कायम रखी है। धक्षण शशिकुमार, अनीश सुनील कुमार गौड़ा, आर्यन नेहरा और श्रीहरि नटराज की भारतीय चौकड़ी ने सात मिनट 39.48 सेकंड का समय निकाला। टीम अपनी हीट में तैराकी की मजबूत टीमों ऑस्ट्रेलिया (7:08.66) और इंग्लैंड (7:18.13) के बाद तीसरे स्थान पर रही। कनाडा के प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेने के कारण इस हीट में केवल चार टीमें उतरी थीं। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत और जर्सी चारों ने आठ टीमों के फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया।

महिला वॉल्ट फाइनल में प्रतिष्ठा सामंता

भारत की प्रतिष्ठा सामंता ने राष्ट्रमंडल खेलों की जिम्नास्टिक प्रतियोगिता की महिला वॉल्ट स्पर्धा के क्वालीफाइंग में पांचवें स्थान पर रहकर फाइनल में जगह बनाई। पश्चिम बंगाल की 22 वर्षीय खिलाड़ी प्रतिष्ठा ने अपने दोनों वॉल्ट में 13.025 अंक हासिल करके शीर्ष आठ खिलाड़ियों में जगह पक्की की। भारत की ही प्रणति नायक हालांकि मामूली अंतर से क्वालीफाई करने से चूक गई। वह 12.555 अंकों के साथ 11वें स्थान पर रहकर तीसरी रिजर्व खिलाड़ी रहीं। भारत की अन्य खिलाड़ियों में इशिता रेवाले 11.725 अंकों के साथ 15वें, जबकि निशिका अग्रवाल 11.075 अंकों के साथ 19वें स्थान पर रहीं। आलराउंड प्रतियोगिता में प्रतिष्ठा और इशिता दोनों ही फाइनल में जगह नही बना पाई।

खबर संक्षेप

अब्दुल्ला शफीक पाकिस्तानी टेस्ट टीम में शामिल

कराची। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रही टेस्ट श्रृंखला और और उसके बाद इंग्लैंड दौरे में होने वाले तीन टेस्ट मैचों के लिए सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक और सऊद शकील को अपनी राष्ट्रीय टीम में शामिल किया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि शफीक को चोटिल अब्दुल्ला फजल के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है, जबकि शकील को विदेशी दौरों पर पाकिस्तान की बल्लेबाजी को मजबूती देने के लिए टीम में जोड़ा गया है। शफीक वेस्टइंडीज में टीम से जुड़ गए हैं। वह गयाना में ग्लोबल टी20 लीग में खेल रहे थे।

स्कॉटिश ओपनः शीर्ष 10 में जगह बनाने के करीब दीक्षा

डुनडोनाल्ड लिंक्स। गोल्फर दीक्षा डागर तीसरे दौर में दो अंडर 70 के स्कोर से महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर हैं। तीन दौर के बाद दीक्षा का कुल स्कोर एक ओवर है। लेडीज यूरोपीय टूर पर दो बार की विजेता दीक्षा ने बारिश और तेज हवाओं के बीच 18वें होल में बर्डी का मौका गंवा दिया लेकिन इसके बावजूद अंडर पार का स्कोर बनाने में सफल रहीं। इससे पहले भारत की अवनि प्रशांत और प्रणवी उर्स कट हासिल करने में नाकाम रहीं। कोरिया की जेनी शिन 12 अंडर के कुल स्कोर के साथ शीर्ष पर हैं। उन्होंने तीसरे दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाया।

निशानेबाजी विश्व कपः पदक से चूके ऐश्वर्य, नीरज

हांगझोउ। भारत के दो निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार आईएसएसएफ विश्व कप (राइफल, पिस्टल, शॉटगन) में पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने के बावजूद पदक जीतने में नाकाम रहे, जिससे देश केवल एक रजत पदक के साथ तालिका में संयुक्त सातवें स्थान पर बना हुआ है। भारतीय राइफल निशानेबाजों की किस्मत एक बार फिर उनका साथ नहीं दे सकी। विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता ऐश्वर्य और एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता नीरज दोनों आठ निशानेबाजों के फाइनल में पहुंचे, लेकिन क्वालीफिकेशन में शानदार प्रदर्शन को पदक में नहीं बदल सके। ऐश्वर्य ने 314.3 अंकों के साथ छठा स्थान हासिल किया जबकि नीरज 303.4 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहे।

कल होगा टीम का ऐलान, वाशिंगटन पहले टेस्ट से बाहर

चोट के कारण सीरीज नहीं खेलेंगे नीतीश-हर्षित

श्रीलंका टेस्ट सीरीज से पहले टीम चयन में फिटनेस बनी बड़ी चुनौती

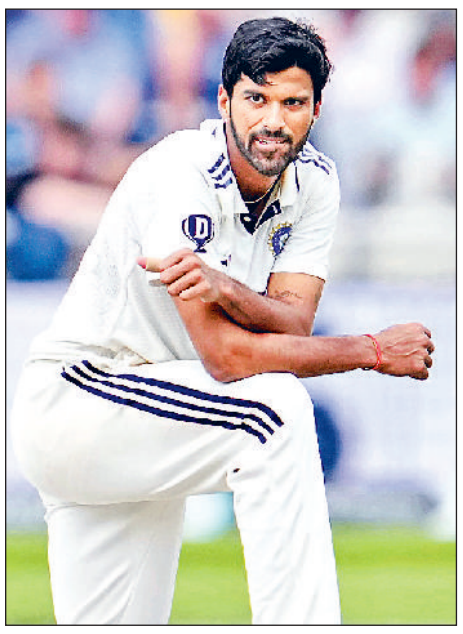

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय चयनकर्ता श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले चयन को लेकर दुविधा में हैं, क्योंकि वाशिंगटन सुंदर की 15 अगस्त से गॉल में होने वाले पहले मैच के लिए समय पर ठीक होने की संभावना नहीं है, जिससे रिजर्व स्पिनर का स्थान खाली हो जाएगा। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम की घोषणा मंगलवार को की जाएगी और अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति के लिए सबसे बड़ी चुनौती फिट टीम का चयन करना है क्योंकि कई खिलाड़ी फिटनेस संबंधी कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। सीनियर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भी फिटनेस टेस्ट देना होगा। वह चोट लगने के कारण लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे में नहीं खेल पाए थे।

बीसीसीआई ने किया फिटनेस अपडेट जारी

बीसीसीआई के बेंगलुरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' ने फिटनेस संबंधी अपडेट जारी कर बताया है कि हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी दोनों ही श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। यह दोनों खिलाड़ी मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या से जूझ रहे हैं और अभी फिट होने की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। चयन मामलों से परिचित बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, 'वाशिंगटन दूसरे टेस्ट तक ही फिट हो पाएंगे। यह देखना बाकी है कि चयनकर्ता उनकी फिटनेस के आधार पर उन्हें एक मैच के लिए चुनते हैं या नहीं। अगर ऐसा नहीं हो पता है तो उन्हें स्पिन विभाग में रविंद्र जडेजा, मानव सुथार और कुलदीप यादव के अलावा चौथे विकल्प की तलाश करनी होगी। अगर वे हर्ष दुबे का चयन करते हैं, तो तीन गेंदबाज एक जैसे कौशल के हो जाएंगे।'

सारांश को मिल सकता है मौका

सारांश ने हाल में श्रीलंका ए के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दो मैचों में छह विकेट लिए और एक मैच में नाबाद 70 रन बनाए। मुख्य कोच गौतम गंभीर बल्लेबाजी क्रम को मजबूत रखने की रणनीति को प्राथमिकता देते रहे हैं और ऐसे में सारांश अच्छे विकल्प हो सकते हैं। अन्य विकल्पों में जीशान अंसारी और विपराज निगम जैसे कलाई के स्पिनर शामिल हैं। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि निगम सीमित ओवरों के प्रारुप के लिए अधिक उपयुक्त हैं।

आकाशदीप 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' से उबर रहेः बुमराह के उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में तेज गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज, गुरनूर बराड़ और प्रसिद्ध कृष्णा संभालेंगे। एक अन्य तेज गेंदबाज आकाशदीप अभी भी 'स्ट्रेस फ्रैक्चर' से उबर रहे हैं।

भारत की रूपा, पिंकी लॉन बॉल्स महिला पेयर्स स्पर्धा में नामीबिया से हारीं

भाषा ▶▶| ग्लास्गो

- पुरुष एकल में सोनोवाल बाहर, माल्टा के शॉन जेम्स पार्निस से 0.5-1.5 से हारे

भारत की रूपा रानी टिर्की और पिंकी सिंह को रविवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों की लॉन बॉल्स महिला पेयर्स सेक्शनल स्पर्धा में लगातार तीन जीत के बाद नामीबिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

रूपा और पिंकी सेक्शन बी मैच में नामीबिया की अमांडा स्टीनकैंप और डायना विलजोएन की जोड़ी के खिलाफ टाईब्रेक में 0-3 से हार गईं। दोनों जोड़ियों ने एक-एक सेट जीता था। भारतीय टीम पहला सेट 5-7 से हार गई लेकिन वापसी करते हुए दूसरा सेट 10-1 से जीत लिया। भारतीय टीम आज ही इंग्लैंड से खेलेगी जिससे यह तय होगा कि सेमीफाइनल में कौन पहुंचेगा। इंग्लैंड अभी सेक्शन बी में अपने सभी चार मैच जीतकर शीर्ष पर है। शनिवार को रूपा और पिंकी की भारतीय टीम ने टोंगा को टाईब्रेक में 2-0 से हराकर लगातार तीसरी जीत हासिल की थी।

पुतुल सोनोवाल के रविवार को ग्रुप डी के मैच में माल्टा के शॉन जेम्स पार्निस से 0.5-1.5 से हारने के बाद उनकी पुरुष एकल सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं। दो-सेट वाले इस मुकाबले में पार्निस ने शुरुआती सेट में दबदबा बनाए रखा। पांच 'एंड' के बाद वह 10-0 से आगे थे जिसके बाद सोनोवाल ने आखिरी दो 'एंड' में दो-दो शॉट लगाकर अंतर कम किया, लेकिन वह 4-10 से हार गए।

यूटीटी फाइनलः यू मुंबा ने डेम्पो गोवा चैलेंजर्स को 8-5 से हराकर खिताब जीता

पणजी। गत चैंपियन यू मुंबा टीटी ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए रविवार को यहां खेले गए फाइनल में डेम्पो गोवा चैलेंजर्स को 8-5 से हराकर अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के सातवें सत्र का खिताब बरकरार रखा। पहले दो मुकाबलों के बाद यू मुंबा 2-4 से पीछे चल रही थी, लेकिन मौजूदा चैंपियन ने इसके बाद जोरदार पलटवार किया और मुकाबले की दिशा बदलते हुए खिताबी जीत हासिल की। कप्तान मनुष शाह और अन्ना हर्सी ने मिश्रित युगल में शानदार जीत दर्ज कर वापसी की शुरुआत की। इसके बाद मनुष ने अल्वारो रोबल्स के खिलाफ अहम जीत हासिल कर यू मुंबा को बढ़त की ओर पहुंचाया। निर्णायक मुकाबले में अनुषा कुटुम्बले ने सिंड्रेला दास के खिलाफ दबाव में संयम बनाए रखते हुए जीत दर्ज की और यू मुंबा को खिताब दिलाया। इसके साथ ही गोवा की टीम को पूरे सत्र में पहली और एकमात्र हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ यू मुंबा ने प्रतियोगिता की सबसे सफल फ्रेंचाइजी के रूप में डेम्पो गोवा चैलेंजर्स की बराबरी कर ली। दोनों टीमों के नाम अब दो-दो खिताब हैं। यूटीटी के सातवें सत्र में दुनियाभर के 42 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिनमें 14 ओलंपियन भी शामिल थे।

सूर्यवंशी और मयंक का शानदार प्रदर्शन

भारत ने जिम्बाब्वे को 35 रन से हराया, श्रृंखला क्लीन स्वीप की

एजेंसी ▶▶| हरारे

- टी20 में 15 साल और 121 दिन की उम्र में वैभव का दूसरा अर्धशतक

भारत ने 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की परिस्थितियों के अनुरूप खेली गई 81 रन की शानदार पारी और तेज गेंदबाज मयंक यादव (29 रन देकर तीन विकेट) की अगुआई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन बदौलत रविवार को यहां तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर श्रृंखला 3-0 से अपने नाम की। इंग्लैंड से 0-4 से और आयरलैंड से 0-2 से श्रृंखला गंवाने के बाद यह भारत की शानदार वापसी रही। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला करने के बाद भारत को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में थोड़ी मुश्किल पिच का सामना करना पड़ा लेकिन सूर्यवंशी ने अपनी 49 गेंदों की संयमित पारी के दौरान अपनी बल्लेबाजी का एक अलग ही अंदाज दिखाया जिसमें आठ चौके और चार छक्के जड़े थे। इससे भारत ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 192 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की टीम को धीमी पिच पर बेहद संयमित बल्लेबाजी की जरूरत थी, लेकिन उसके बल्लेबाज ऐसा नहीं कर सके और टीम सात विकेट पर 157 रन ही बना सकी। रेयान बर्ल ने नाबाद 54 रन की जुझारू पारी खेली लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके।

ईशान के संग की 75 रन की साझेदारी

रविवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में वैभव सूर्यवंशी ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 गेंदों में 75 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 95 के स्कोर तक पहुंचाया। वैभव ने श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 29 गेंदों में 50 रन जुटाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। वैभव ने 81 रन की पारी खेली।

विश्व चैंपियनशिप जीतना मायने रखता है : अनाहत

नई दिल्ली। भारत की नंबर एक खिलाड़ी अनाहत सिंह ने कहा कि विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप जीतना उनके लिए बहुत मायने रखता है। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। अनाहत ने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मुझे अब भी ऐसा लग रहा है जैसे मैं सपना देख रही हूं।'' दिल्ली की इस 18 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, 'पिछले चार वर्षों से मैं सेमीफाइनल और क्वार्टर फाइनल में हार रही थी। अगर कोई मुझसे पूछे तो मैं हमेशा यही कहती हूं, 'यह टूर्नामेंट मेरे लिए अभिशाप है' और मैं इस प्रतियोगिता में कभी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई हूं।'अनाहत ने कहा, 'जूनियर स्तर पर यह मेरा आखिरी साल है और इसे जीतने का यह मेरे पास आखिरी मौका था। इसलिए यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' अनाहत ने कहा कि वह टूर्नामेंट के फाइनल में खेलने के अनुभव का आनंद लेना चाहती थीं।

पाक-वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज : हॉज ने खेली नाबाद पारी, पहले दिन बने 194 रन

एजेंसी ▶▶| तारौबा

कावेम हॉज की नाबाद 83 रन की पारी की मदद से वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के बारिश से प्रभावित शुरुआती दिन 3 विकेट पर 194 रन बनाए। बारिश और खराब रोशनी के कारण पहले दिन केवल 67 ओवर ही फेंके जा सके। पहले सत्र में केवल 14.1 ओवर फेंके गए।

वेस्टइंडीज के टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के फैसले के बाद हॉज ने तीनों सत्र में बल्लेबाजी की। वह नौवें ओवर में क्रीज पर उतरे जब मोहम्मद अब्बास ने ब्रैंडन किंग (12) को आउट किया। जब खिलाड़ी लंच के बाद वापस लौटे बारिश के कारण पिच से गेंदबाजों को मदद मिलने लगी थी लेकिन हॉज डटे रहे। वेस्टइंडीज ने इस बीच सलामी बल्लेबाज तेगनारायण चंद्रपाल (21) और अमीर गांजू (21) के विकेट गंवाए। दिन का खेल समाप्त होने के समय हॉज के साथ शाई होप 39 रन बनाकर खेल रहे थे। यह दोनों चौथे विकेट के लिए अभी तक 88 रन जोड़ चुके हैं।

उस्मान अली का 33 साल की उम्र में टेस्ट डेब्यू

पाकिस्तान की तरफ से अब्बास ने 44 रन देकर दो विकेट लिए हैं। पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर उस्मान अली ने 33 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों ने दिग्गज ऑलराउंडर गारफील्ड सोबर्स की याद में काली पट्टी पहनी, जिनका हाल में 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था।

यूथ हॉकी एशियन चैंपियनशिप में पाकिस्तान को दी मात

एशियन चैंपयिन बनी टीम इंडिया, महिला टीम को रजत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय सब-जूनियर पुरुष टीम ने मस्कट में खेली गई एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-1 से हराकर खिताब जीता लेकिन महिला टीम को रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा। भारत की दोनों टीम ने हालांकि पांच-पांच खिलाड़ियों के साथ खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर एफआईएच यूथ हॉकी फाइव्स विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। पुरुष वर्ग के फाइनल में भारत ने शुरू से ही पाकिस्तान पर दबदबा बनाए रखा तथा रोमित पाल (पांचवें), कप्तान केतन कुशवाहा (12वें) और शाहरुख अली (13वें मिनट) के गोल की मदद से भारत एशियाई चैंपियन बनने में सफल रहा। इस जीत के साथ ही भारतीय पुरुष टीम एलीट पूल तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई।

फाइनल में चीन से हारी भारतीय महिला टीम

महिला वर्ग की प्रतियोगिता में भारतीय सब जूनियर टीम ने चीन के खिलाफ फाइनल में कड़े मुकाबले में 2-4 से हार झेलने के बाद रजत पदक जीता। इससे पहले दिन में भारत ने सेमीफाइनल में कजाकिस्तान को 8-1 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। फाइनल में चीन ने जोरदार शुरुआत करते हुए पहले ही मिनट में टोंगटोंग लू के गोल से बढ़त हासिल कर ली। भारत ने 13वें मिनट में नौशीन नाज के गोल से अंतर कम किया लेकिन चेन गे ने 19वें मिनट में चीन को फिर से तीन गोल की बढ़त दिला दी। पुष्पा मांझी ने 20वें मिनट में गोल करके भारत की उम्मीद जगाई लेकिन चीन ने अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए खिताब जीत लिया।

एक सप्ताह में भारतीय नाविकों से जुड़ी दूसरी बड़ी त्रासदी

काला सागर में व्यापारिक जहाज पर, एक हफ्ते बाद फिर हुआ हमला
ओडेसा पोर्ट पर 2 भारतीय नागरिक हुए लापता, 2 को सुरक्षित निकाला

एजेंसी ▶▶ कीव

काला सागर के अशांत क्षेत्र में व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाए जाने का सिलसिला थम नहीं रहा है। यूक्रेन के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ओडेसा बंदरगाह पर हमले की चपेट में आए एक और मालवाहक जहाज एमवी एजीएन रैग्नर से दो भारतीय नागरिक लापता हो गए हैं। इस घटना ने क्षेत्र में काम कर रहे भारतीय समुद्री कर्मचारियों की सुरक्षा पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कीव स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि 25 जुलाई को हुए इस हमले के समय जहाज पर कुल चार भारतीय नागरिक मौजूद थे। स्थानीय अधिकारियों की मदद से चलाए गए राहत कार्य में दो भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, जबकि दो अन्य अब भी लापता हैं। भारतीय दूतावास ने स्पष्ट किया है कि वह लापता नाविकों की स्थिति का पता लगाने के लिए स्थानीय प्रशासन और संबंधित एजेंसियों के साथ लगातार संपर्क में है तथा खोज व बचाव अभियान तेज गति से जारी है।

4 में से 2 भारतीय सुरक्षित, बचाव अभियान जारी

जहाज पर 17 क्रू सदस्यों में 5 भारतीय शामिल थे

भारत सरकार का कड़ा रुख ,सुरक्षा के उपाय अपनाने को कहा

भारत ने जताई आपत्ति, कहा ये अस्वीकार

विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार को बाधित करना और नागरिकों की जान जोखिम में डालना पूरी तरह अस्वीकार्य है।

सरकार ने उठाए बड़े कदम

नई सुरक्षा एडवाइजरी कर दी जारी

ब्लैक सी क्षेत्र में बढ़ते खतरों को देखते हुए विदेश मंत्रालय ने नई एडवाइजरी जारी की है। इसमें सलाह दी है कि इस क्षेत्र में नौकरी का कोई भी प्रस्ताव स्वीकार करने या यात्रा करने से पहले वे वहां की सुरक्षा स्थिति का आकलन कर लें।

नाविकों और कंपनियों के लिए कड़े निर्देश

भारत सरकार ने भारतीय नाविकों और शिपिंग कंपनियों को स्पष्ट हिदायत दी है कि वे किसी भी जहाज पर नियुक्ति से पहले सभी सुरक्षा पहलुओं की जांच करें। इसमें रूट, सुरक्षा, बीमा और सुविधाओं की पूरी जानकारी लें।

खबर संक्षेप

कजाकिस्तान में सुरक्षित उतरा अंतरिक्ष दल

मॉस्को। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर आठ महीने बिताने के बाद अमेरिका और रूस के अंतरिक्ष यात्रियों का एक दल रविवार को कजाकिस्तान के विशाल मैदानी क्षेत्र में सुरक्षित रूप से उतर गया। नासा के अंतरिक्ष यात्री क्रिस विलियम्स और रूसी दल के सदस्यों-सर्गेई कुद-स्वेर्चकोव तथा सर्गेई मिकायेव अपने सोयुज एमएस-28 अंतरिक्ष यान से धरती पर लौटे। यह यान पैराशूट की मदद से सुरक्षित रूप से दक्षिण-पूर्व में निर्धारित क्षेत्र में उतरा।

नीरव मोदी को अब तक तो भारत की जेल में होना था

लंदन। ब्रिटेन की पूर्व गृहमंत्री प्रीति पटेल ने पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के 14,000 करोड़ से अधिक के घोटाले के मुख्य आरोपी नीरव मोदी के अब तक भारत न भेजे जाने पर गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि वह इस बात से स्तब्ध और बेहद चिंतित हैं कि भारत के सबसे बड़े बैंकिंग घोटालों में से एक का वांछित अपराधी अब भी ब्रिटेन में ही बना हुआ है।

रक्षा मंत्री ने पड़ोसी मुल्क को खूब सुनाई खरी-खरी

कारगिल विजय दिवस: राजनाथ बोले- अब पाकिस्तान से पीओके पर बात होगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर पाकिस्तान को सुना दिया | कारगिल युद्ध के समय भारतीय जवानों की वीरता ने इतिहास रचा था

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान पर करारा अटैक करते हुए कहा कि पड़ोसी मुल्क आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति का हिस्सा बना चुका है। कारगिल विजय दिवस के मौके पर राजनाथ सिंह ने दो टूक कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी पीओके के अलावा किसी अन्य मुद्दे पर उसके साथ कोई बातचीत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि पीओके भारत का अभिन्न हिस्सा है, जिस पर पाकिस्तान ने अवैध रूप से कब्जा कर रखा है। राजनाथ सिंह ने द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर अपने संबोधन में कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने यह दिखाया है कि आतंकवाद के जरिए भारत को धमकाने की कोशिश करने वालों का क्या हश्र होगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत, पाकिस्तान की हर दुस्साहसपूर्ण हरकत का ऐसे तरीके से जवाब देने में सक्षम है जो उसकी कल्पना से भी परे है। उन्होंने कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर 1999 के कारगिल युद्ध में भारत की जीत को भारत माता के मुकुट में जड़ा हीरा बताया। उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में मई 2025 में चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवाद के आकाओं और उनके समर्थकों को करारा झटका दिया।

सैनिकों का अदम्य साहस दिखा था कारगिल में

भारत और उसकी सशस्त्र सेनाएं पाकिस्तान की हर दुस्साहसपूर्ण हरकत का ऐसे तरीके से जवाब देने में सक्षम हैं जो उसकी कल्पना से भी परे है। उन्होंने कहा कि भारत की संप्रभुता और अखंडता के खिलाफ उठाया गया कोई भी दुर्भावनापूर्ण कदम उसी अंजाम तक पहुंचेगा। कारगिल विजय दिवस भारत के 'ऑपरेशन विजय' की सफलता की स्मृति में मनाया जाता है। यह वह सैन्य अभियान था, जिसे पाकिस्तान की घुसपैठ के बाद कारगिल की रणनीतिक चोटियों पर दोबारा नियंत्रण लेने के लिए चलाया गया था और जिसका सफल समापन 1999 में आज के दिन हुआ था।

सैन्य अधिकारियों का दिल्ली से द्रास तक 13 दिवसीय बाइक अभियान पूरा

द्रास। कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर रविवार को सेवारत अधिकारियों और सेना के पूर्व सैनिकों के मोटरसाइकिल सवार दल ने दिल्ली से द्रास तक की लगभग 1,900 किलोमीटर की यात्रा पूरी की। वर्ष 1999 की लड़ाई के वीर सैनिकों को सम्मान देने के लिए 13 दिनों की यह साहसिक यात्रा 14 जुलाई को शुरू हुई थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मोटरसाइकिल सवार दल का तब स्वागत किया जब वह श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर कारगिल युद्ध स्मारक के प्रवेश द्वार से होकर गुजरा। यह वही रास्ता है जो कारगिल संघर्ष के दौरान मुख्य केंद्रों में से एक था।

सेना प्रमुख सेठ ने दी श्रद्धांजलि

इससे पहले थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, लद्दाख के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना और उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने यहां कारगिल युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर एक उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) की अगुवाई में 'एरोहेड' (तीर के आकार) की संरचना में उड़ान भर रहे तीन हेलीकॉप्टरों ने युद्ध स्मारक पर आसमान से पुष्पवर्षा कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

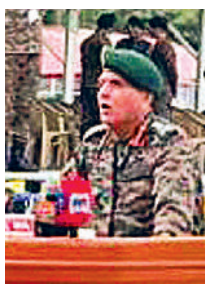

लंबे समय बाद समझे राष्ट्रपति ट्रंप

13 दिन की बमबारी रोकी बोले- बातचीत ही... ठीक

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लगातार 13 दिनों तक चले भीषण हवाई हमलों के बाद ईरान पर नए सैन्य हमले फिलहाल रोक दिए हैं। साथ ही दावा करते हुए कहा कि जंग से कोई समाधान नहीं होता है बल्कि बातचीत ही बेहतर समाधान हो सकता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस फैसले के पीछे कूटनीतिक प्रयासों को मौका देना, अमेरिका के मिसाइल डिफेंस स्टॉक में आ रही कमी और एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध का खतरा मुख्य कारण रहे हैं।

ईरान के साथ समझौता करना ज्यादा समझदारी

ट्रंप का मानना है कि बड़े पैमाने पर युद्ध शुरू किए बिना सैन्य कार्रवाई अपनी हद तक पहुंच गई थी। वो कूटनीति के लिए रास्ता बनाना चाहते हैं, ताकि अगर बातचीत नाकाम हो तो कम समय में दोबारा हमले शुरू किए जा सकें। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका पूरी तरह से तैयार है, लेकिन उनका मानना है कि ईरान के साथ समझौता करना ज्यादा समझदारी होगी उन्होंने कहा, हम इस समय उनसे बात कर रहे हैं।

यूपी में खाटूश्यामजी से लौट रहे युवक को सीट विवाद में चलती ट्रेन से फेंका

आगरा। राजस्थान के खाटूश्यामजी से लौट रहे उप्र के हमीरपुर के भाई-बहन के साथ ट्रेन में सीट विवाद के बाद मारपीट का मामला सामने आया है। क्षेत्र के गांव चंडोट निवासी कमलेंद्र सिंह बहन करिश्मा के साथ शनिवार को रींगस रेलवे स्टेशन से जनरल कोच में सवार होकर घर लौट रहे थे। आरोप है कि आगरा कैंट स्टेशन से ट्रेन रवाना होने के बाद सीट को लेकर कुछ यात्रियों से कहासुनी हो गई। इसी दौरान दूसरे पक्ष ने अपने 8 से 10 साथियों को बुला लिया। आरोपियों ने पहले करिश्मा के साथ अभद्रता की। विरोध करने पर कमलेंद्र और उसकी बहन के साथ मारपीट की गई। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि मारपीट के दौरान कमलेंद्र को चलती ट्रेन से नीचे फेंक दिया गया। करिश्मा के शोर मचाने और अन्य यात्रियों की सूचना मिलने पर फतेहाबाद रेलवे स्टेशन पर रेलवे पुलिस सक्रिय हो गई। दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

लिव-इन रिलेशनशिप में कोई जिम्मेदारी नहीं होती, शादी एक अनुशासन : भागवत

हैदराबाद (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि शादी एक ऐसा अनुशासन है, जो धर्म सिखाता है। शादी एक अनुशासन है, जो धर्म को स्थापित करता है। इसका विकल्प लिव-इन रिलेशनशिप है, जिसे आधुनिकता कहा जाता है। उन्होंने सवाल किया कि इसके परिणाम क्या हैं? लोग जिम्मेदारी नहीं चाहते, सिर्फ खुशी चाहते हैं। जब तक मन करे साथ रहो और जब मन न करे तो अलग हो जाओ। इसमें कोई जिम्मेदारी नहीं होती। इसके साथ क्या बढ़ेगा और दुनिया में क्या बढ़ रहा है, इसे चारों तरफ देखा जा सकता है। भागवत ने ये बातें हैदराबाद में विश्व मांगल्य सभा द्वारा आयोजित 'समकालीन मातृत्व' विषय पर एक कार्यक्रम में कहीं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि एलजीबीटीक्यू समुदाय पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि वे हमारे समाज का ही हिस्सा हैं और उन्हें हीन भावना से नहीं देखा जाना चाहिए। भागवत ने कहा कि ऐसे लोग भी हमारे समाज में मौजूद हैं। इनमें से कुछ जन्मजात होती हैं, जिन्हें प्रकृति तय करती है। ऐसे मामलों में न तो संबंधित व्यक्ति और न ही कोई दूसरा कुछ कर सकता है।

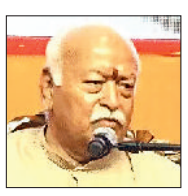

माली में भारतीय मूल के हीरा कारोबारी का अपहरण

भाषा ▶▶ सूरत

भारतीय मूल के हीरा कारोबारी धीरू रमानी को अप्रैल में माली में हुए कथित अपहरण के करीब तीन महीने बाद रिहा कर दिया गया है। एक सूत्र ने रविवार को यह जानकारी दी। वह अभी भी पश्चिम अफ्रीकी देश माली में ही हैं। हीरा कारोबार से जुड़े सूत्र ने दावा किया कि 75 वर्षीय धीरू रमानी की रिहाई के लिए उनके परिवार ने इस सप्ताह की शुरुआत में 40 लाख यूरो (करीब 44 करोड़) की फिरौती दी। अपहरणकर्ताओं ने शुरुआत में करीब 100 करोड़ की मांग की थी, लेकिन अमेरिका में रहने वाले रमानी के परिवार ने बातचीत के बाद यह रकम कम करवा दी और उनकी रिहाई सुनिश्चित की। गुजरात के अमरेली के रहने वाले और सूरत के हीरा कारोबार से जुड़े धीरू रमानी फिलहाल माली में हैं।

■ 44 करोड़ की फिरौती के बाद छोड़ा

पड़ोसी देशों में भी गूंजा आंदोलन

भारत के जेन-जेड को पाकिस्तान ने किया सैल्यूट कहा- यहां तो एक प्लेट बिरयानी में ही बिकते हैं

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

भारत के जेन-जेड (युवाओं) को अब तक सिर्फ मोबाइल, मीम्स और कम ध्यान देने वाली पीढ़ी माना जाता था, लेकिन हालिया छात्र आंदोलनों ने इस धारणा को पूरी तरह बदल दिया। पेपर लीक के मामलों को लेकर हुए देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों के आगे केंद्र सरकार को झुकना पड़ा और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अपना इस्तीफा देना पड़ा। इस पूरे आंदोलन में पारंपरिक नारों की जगह मीम्स, इंस्टा रील्स और छोटे वीडियो ही युवाओं के सबसे बड़े हथियार और सबूत बने।

जाति- धर्म से ऊपर उठकर चलाया गया आंदोलन

पाकिस्तान में इस आंदोलन की साहस और एकजुटता की जमकर तारीफ हुई। वहां के युवाओं ने माना कि भारतीय जेन-जेड ने जाति और धर्म से ऊपर उठकर लड़ाई लड़ी, जो काबिल-ए-तारीफ है। पाकिस्तानी कॉन्टेंट क्रिएटर बिलाल हसन ने भारत में लगे पाकिस्तानी फंडिंग' के आरोपों पर तंज कसते हुए कहा, हमारे पास अपना देश चलाने के पैसे नहीं हैं, हम भारत का आंदोलन क्या फंड करेंगे? वहीं, पाकिस्तानी अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून और स्थानीय युवाओं का मानना था कि 1980 के दशक में सैन्य तानाशाही द्वारा छात्र संघों पर लगाए गए बैन के कारण पाकिस्तान में ऐसा एकजुट आंदोलन खड़ा होना मुश्किल है। दूसरी ओर, 2022 में जन-आंदोलन देख चुके श्रीलंका में भी भारतीय युवाओं के इस जोश का स्वागत किया गया। चर्चित कार्टूनिस्ट अवंता आर्टिगाला ने सरकार और 'कॉकरोचों' पर व्यंग्य चित्र बनाए, तो वहीं मुंबई की रिया अहीर की पुलिस वैन के सामने खड़ी तस्वीर श्रीलंका के सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई।

सेना की छापेमारी, हथियार जब्ती और गिरफ्तारियों के आदेश दिए

नेतन्याहू ने कहा- वेस्ट बैंक में कार्रवाई के लिए तैयार

एजेंसी ▶▶ तेलअवीव

इजराइल और फिलिस्तीन के बीच जारी तनाव के बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का एक बड़ा और सख्त बयान सामने आया है। नेतन्याहू ने कहा है कि उनका देश कब्जे वाले वेस्ट बैंक में बड़े स्तर पर सैन्य कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उनके इस बयान को क्षेत्र में चल रहे सैन्य अभियानों को और अधिक तेज करने के स्पष्ट संकेत के रूप में देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, पत्रकारों से बात करते हुए नेतन्याहू ने जानकारी दी कि सुरक्षा बलों को गांवों में घुसने, व्यापक तलाशी लेने, अवैध हथियारों को जब्त करने और संदिग्धों को गिरफ्तार करने के सख्त निर्देश दे दिए गए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'आतंकी ठिकानों' के खिलाफ इजरायल व्यापक और कड़े कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। इस समय सेना का पूरा ध्यान क्षेत्र में अपनी पकड़ मजबूत करने पर है। नेतन्याहू का यह आक्रामक बयान ऐसे समय आया है जब वेस्ट बैंक में इजराइली सेना की छापेमारी पहले से जारी है और इस दौरान इजराइली बस्तियों के लोगों द्वारा भी फिलिस्तीनियों पर हमलों की खबरें आ रही हैं। दूसरी ओर, जमीनी हकीकत बयां करते हुए यूथ अगेंस्ट सेटलमेंट्स के संस्थापक ईसा अमरो ने कहा कि कब्जे वाले इलाकों में रहने वाले फिलिस्तीनी नागरिक हर दिन हिंसा का सामना कर रहे हैं। जब भी कोई नागरिक अपने घर, परिवार या संपत्ति का बचाव करने की कोशिश करता है, तो उसे निशाना बनाया जाता है या हिरासत में ले लिया जाता है।

विरोध करने पर आम नागरिकों को निशाना बनाया | आतंकी ठिकानों को नष्ट कर इलाके पर नियंत्रण कसना है

सैकड़ों परिवार बेघर होने को मजबूर

अमरो ने चिंता जताते हुए दावा किया कि लगातार बढ़ते हमलों के डर से हाल के वर्षों में 20 से अधिक फिलिस्तीनी समुदाय अपने गांवों को पूरी तरह छोड़ चुके हैं और सैकड़ों परिवार बेघर होने पर मजबूर हुए हैं, जिसे उन्होंने 'जातीय सफाए' जैसा करार दिया। फिलहाल वेस्ट बैंक में स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है। एक तरफ जहां इजरायली सेना अपनी कार्रवाई को और कड़ा करने की दिशा में आगे बढ़ रही है, वहीं दूसरी तरफ स्थानीय आबादी की परेशानियां लगातार गहराती जा रही हैं। नेतन्याहू की इस ताजा चेतावनी के बाद अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि आने वाले दिनों में यह संघर्ष क्या नया मोड़ लेता है।

पंजाब में विदेशी हैंडलर्स से जुड़ा बड़ा आतंकी मॉड्यूल ध्वस्त किया

जालंधर। पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) जालंधर और जालंधर देहात पुलिस ने एक संयुक्त अभियान चलाकर विदेशी आकाओं के इशारे पर काम करने वाले आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने आदमपुर के पड़ियाना गांव निवासी मुख्य आरोपी सतबीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। इस सफलता की जानकारी देते हुए पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि पुलिस की सतर्कता से राज्य में एक बड़ा आतंकी खतरा टल गया है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीमों ने ढंडौर गांव के पास नाकाबंदी कर संदिग्ध सतबीर सिंह को मोटरसाइकिल समेत रोका। जब उसके बैग की तलाशी ली गई, तो उसमें से 1.3 किलोग्राम वजनी एक खतरनाक आईईडी (विस्फोटक) बरामद हुआ। अधिक से अधिक नुकसान पहुंचाने के मकसद से इस आईईडी में छर्रे और बॉल बेयरिंग भी लगाए गए थे।

एनएसजी के पहले प्रमुख नागरानी का निधन

नई दिल्ली । अमृतसर के स्वर्ण मंदिर से हथियारबंद आतंकियों को बाहर निकालने के लिए 1986 में 'ऑपरेशन ब्लैक थंडर-1' का नेतृत्व करने वाले और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के प्रथम प्रमुख आर.टी. नागरानी का रविवार को यहां निधन हो गया। वह 98 वर्ष के थे। अधिकारियों ने बताया कि एनएसजी के पहले महानिदेशक अस्वस्थ थे और दक्षिण दिल्ली स्थित उनके घर पर उनका निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को किया जाएगा। नागरानी भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के आंध्र प्रदेश कैडर के 1951 बैच के अधिकारी थे। उन्होंने 17 अगस्त 1984 से 25 सितंबर 1986 तक 'ब्लैक कैट्स' कमांडो फोर्स का नेतृत्व किया। एनएसजी के महानिदेशक ब्रिघु श्रीनिवासन, जो इसके 25वें प्रमुख हैं, ने नागरानी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने एक ऐसा अनूठा बल बनाया जो दुनिया में कहीं और नहीं है। उन्होंने कहा, ''संस्थापक द्वारा स्थापित मूल्यों और आदर्शों ने ही वह मजबूत आधार प्रदान किया है जिस पर हमारा 'सबसे बेहतरीन' बल टिका हुआ है।''

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक देवेन्द्र सिंह द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड़, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 से प्रकाशित। संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। RNI No. 63924/1996, फोन : 9253681019-20, फैक्स : 274202, e-mail : rohtak@haribhoomi.com, rohtakharibhoomi@gmail.com
Postal Regd. No. P/RTK/389/2026-28